+91 7014373732
खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करें
marudharnews.com
info@marudharnews.com
हिन्दुस्तान की नई आवाज
मरूधर हिन्द
CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186
मरुधर हिन्द अब एक नए अंदाज में
वर्ष : 03 | अंक : 174 | जयपुर, गुरूवार 28 जून 2022 | कुल पेज : 6

न्यूज़ इनबॉक्स

30 जुलाई को 11:30 घंटे नही होंगे खाटू के दर्शन

तीज त्यौहार से पहले होगी विशेष सेवा पूजा, तड़के 4:30 से शाम 4 बजे तक बंद रहेंगे दर्शन

सीकर। सीकर का खाटूश्याम मंदिर 30 जुलाई को सुबह 4:30 से शाम 4:00 बजे तक भक्तों के दर्शन के लिए बंद रहेगा। तीज त्यौहार के एक दिन पहले सिंजारा पर्व पर बाबा खाटू श्याम की विशेष सेवा पूजा की जाएगी। इस संबंध में मंदिर कमेटी ने आदेश जारी किया है। श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष शंभू सिंह चौहान ने आदेश जारी कर बताया कि 30 जुलाई को खाटूश्याम बाबा की विशेष सेवा पूजा और मंदिर की सफाई होने के कारण मंदिर सुबह 4:30 बजे से शाम 4 बजे तक बंद रहेगा। ऐसे में भक्त शाम 4:00 बजे बाद ही दर्शन करने के लिए पहुंचे। गौरतलब है कि त्यौहारों, विशेष पर्व पर बाबा खाटूश्याम की विशेष सेवा पूजा की जाती है। इस बार भी राजस्थान के पारंपरिक त्यौहार तीज के एक दिन पहले सिंजारा पर्व पर बाबा खाटूश्याम की विशेष सेवा पूजा की जाएगी। इस दौरान बाबा श्याम का तिलक भी किया जाएगा।

मंत्री के सामने कांग्रेस पार्षदों का हंगामा-नोकझोंकः बोले-

बीजेपी एमएलए के इशारे पर भ्रष्ट चेयरमैन को बचा रहे मंत्री धारीवाल

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस मुख्यालय में मंत्रियों की जनसुनवाई के दौरान भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा से आए कांग्रेस पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। मंत्री के समर्थकों से नोकझोंक की। कांग्रेस पार्षद और भीलवाड़ा के नेता शाहपुरा नगर पालिका के अध्यक्ष रघुनंदन सोनी और ईओ भानुप्रताप सिंह को हटाने की मांग कर रहे थे। जब यूडीएच मंत्री ने शाहपुरा के कांग्रेस नेताओं की मांग नहीं मानी तो हंगामा होने लगा। भीलवाड़ा के स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने मंत्री शांति धारीवाल पर बीजेपी के नगरपालिका अध्यक्ष को भ्रष्टाचार के मामले में बचाने और बीजेपी के वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल के इशारे पर काम करने के आरोप लगाए। बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे हंगामे के बाद शाहपुरा के कांग्रेस पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने कहा कि हम एक साल से यूडीएच मंत्री से शाहपुरा के नगरपालिका अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। नगरपालिका चेयरमैन के खिलाफ एसीबी में एक साल से केस दर्ज है,? लेकिन यूडीएच मंत्री आगे कार्रवाई नहीं करने दे रहे हैं। धारीवाल शाहपुरा में बीजेपी विधायक कैलाश मेघवाल के कहने से ही ईओ लगाते हैं। हमारी सुनवाई नहीं होती। हम नगरपालिका ईओ को हटाने की मांग कर रहे हैं। ईओ बीजेपी विधायक की सलाह पर काम कर रहा है।

उद्योग मंत्री ने करवाया शांत

जनसुनवाई के दौरान हंगामा करने वाले भीलवाड़ा के कांग्रेस नेताओं और पार्षदों की सेवादल कार्यकर्ताओं से हल्की नोकझोंक हुई। हंगामा बढ़ता देख यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के साथ जनसुनवाई कर रहीं उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने बीच-बचाव कर उन्हें शांत करवाया।

धारीवाल पर लगाई आरोपों की झड़ी

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नगरपालिका चेरयमैन करप्शन में डूबा है, लेकिन धारीवाल सुनवाई नहीं करते हैं। इसीलिए आज यहां जनसुनवाई में आए हैं। बीजेपी विधायक के कहने पर ही नगरपालिका चेयरमैन के खिलाफ जांच को लटका रखा है।

धारीवाल बोले-पार्षद ईओ का तबादला चाहते थे

पार्षदों के हंगामे पर धारीवाल ने कहा- वे कुछ भी कहें और कुछ भी आरोप लगा सकते हैं। वे नगरपालिका ईओ का तुरंत तबादला करवाना चाहते थे। ईओ के तबादलों पर 15 जुलाई को ही बैन लगा दिया। तबादला नहीं कर सकते ।

मंत्री रावत बोलीं- परिवार बड़ा है, झगड़े तो होते रहते हैं

शांति धारीवाल के साथ पीसीसी की जनसुनवाई में मौजूद उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कहा- हमारा परिवार बड़ा है। बड़े परिवार में छोटे-मोटे झगड़े चलते रहते हैं। मंत्रीजी इनके हैं और ये मंत्री के हैं। इन्हें मंत्रीजी से और मंत्रीजी को इनसे झगड़ने का अधिकार है।

'ईडी का आतंक, जहां मन हो घुस जाती है'

गहलोत बोले- सीबीआई से ज्यादा पावर है एजेंसी के पास, पूरा देश घबराया हुआ है

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोनिया गांधी से पूछताछ के मामले में केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। साथ ही गहलोत ने महंगाई और बेरोजगारी को मुख्य मुद्दा बताया है। गहलोत ने कहा- ईडी का जो तमाशा हो रहा है ऐसा सुना नहीं होगा। सोनिया गांधी को ईडी ने तीसरी बार बुलाया है, आगे पता नहीं कब तक बुलाएंगे। देश में आज ईडी का आंतक है।
उन्होंने कहा कि ईडी के मुकदमों में आधा फीसदी में भी सजा नहीं हो पाई तो आप समझ सकते हैं। इनके मुकदमों की हालत क्या है। गहलोत कांग्रेस मुख्यालय? दिल्ली में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गहलोत ने कहा- ईडी सीआरपीसी के प्रोसिजर को नहीं अपनाती। ईडी का पूछताछ करने का, अरेस्ट करने का और छापे डालने का अपना ही तरीका है। जहां इनकम टैक्स की इच्छा होती है। वहां पहुंच जाती है। वहां ईडी भी घुस जाता है। ईडी को सीबीआई से ज्यादा पावर मिली हुई है।

ईडी से सरकार गिरा सकते हैं मंत्रिमंडल नहीं बना सकते

गहलोत ने कहा- ईडी का उपयोग सरकारें गिराने में किया जा रहा है। महाराष्ट्र में आपने देखा। ईडी से सरकारें तो गिरा सकते हैं, लेकिन मंत्रिमंडल नहीं बना सकते। मंत्रिमंडल ईडी की मदद से नहीं बन सकते, महाराष्ट्र में 28 दिन से मंत्रिमंडल नहीं बना है, केवल सीएम और डिप्टी सीएम ही राज चला रहे हैं। लोकतंत्र किस दिशा में जा रहा है।
गहलोत ने कहा- कल दिन भर एजेंडा चलाया गया कि कांग्रेस सोनिया गांधी के ईडी में बयान लेने पर हल्ला कर रही है। जबकि, महंगाई-बेरोजगारी पर मौन है। किसने कहा कि महंगाई-बेरोजगारी का मुद्दा नहीं उठा रहे? ?जयपुर में महंगाई के खिलाफ हमने राष्ट्रीय सम्मेलन किया। उस वक्त से ही महंगाई बेरोजगारी हमारा मुख्य मुद्दा है। गहलोत ने कहा-आज देश की आर्थिक स्थिति गर्त में जा रही है। नौजवान और आम नागरिक बेरोजगार और महंगाई से चिंतित हैं। इन मुद्दों पर संसद में बहस नहीं करने दी जाती। 19 सांसदों को सस्पेंड कर दिया।

गूगल स्ट्रीट व्यू भारत में लॉन्चः स्पीड लिमिट, सड़क पर चल रहे काम की जानकारी मिलेगी

नई दिल्ली। गूगल ने भारत में भी गूगल स्ट्रीट व्यू फीचर लॉन्च कर दिया है। लोग अब घर बैठे ही लैंडमार्क का पता लगा पाएंगे और किसी भी प्लेस या रेस्तरां का एक्सपीरिएंस कर सकेंगे। गूगल मैप अब लोकल ट्रैफिक पुलिस की मदद से स्पीड लिमिट, किसी रोड के बंद होने और उसमें चल रहे काम की जानकारी और बेहतर ट्रैफिक लाइट दिखाने में भी मदद करेगा। इस फीचर का इंतजार बहुत लंबे समय से हो रहा था। कंपनी ने करीब 15 साल पहले ही इसे अमेरिका में लॉन्च कर दिया था। गूगल स्ट्रीट व्यू फीचर को कंपनी ने एडवांस मैपिंग सॉल्यूशंस कंपनी जेनेसिस इंटरनेशनल और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, कंसल्टिंग और बिजनेस री-इंजीनियरिंग सर्विस और सॉल्यूशन की लीडिंग कंपनी टेक महिंद्रा के साथ साझेदारी में है।

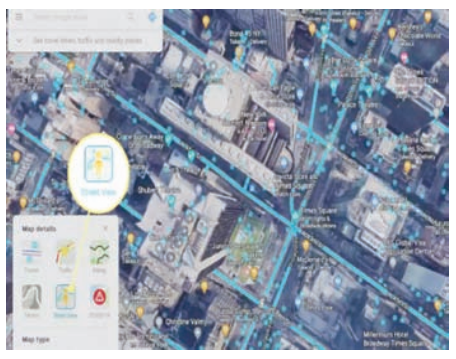

बेंगलुरु में सबसे पहले मिलेगा

आज से स्ट्रीट व्यू गूगल मैप केवल बेंगलुरु में मिलेगा। इसके बाद यह फीचर हैदराबाद और बाद में कोलकाता में जारी किया जाएगा। इसके कुछ ही समय बाद स्ट्रीट व्यू को चेन्नई, दिल्ली, मुंबई, पुणे, नासिक, वडोदरा, अहमदनगर और अमृतसर सहित भारत के दूसरे शहरों में रोल आउट किया जाएगा। इस फीचर को एक्सेस करना काफी आसान है। गूगल मैप्स ऐप ओपन करने की जरूरत होगी, इनमें से किसी भी टारगेट शहर में एक सड़क पर जूम इन करें और उस एरिया को टैप करें, जिसे आप देखना चाहते हैं। लोकल कैफे और कल्चरल हॉटस्पॉट सेंटर या आसपास के लोकल एरिया के बारे में जान सकते हैं। यह फीचर लोगों को देश और दुनिया के व्यू और सटीक तरीके से नेविगेट करने और एक्सप्लोर करने में मदद करेगा, जिससे वे अपने फोन या कंप्यूटर से पूरी तरह से एक्सपीरिएंस कर सकेंगे।
क्या है गूगल स्ट्रीट व्यू फीचर- गूगल स्ट्रीट व्यू एक ऐसी टेक्नोलॉजी है जो गूगल मैप्स और गूगल अर्थ ऐप के जरिये दुनिया की कई सड़कों पर स्थित स्थानों से इंटरैक्टिव पैनोरमा देती है। इसे पहली बार 2007 में अमेरिका के कई शहरों में लॉन्च किया गया था।

संजय सिंह राज्यसभा से सस्पेंड

AAP सांसद पर सदन में हंगामा करने पर कार्रवाई; राज्यसभा से निलंबित 20 सांसद 50 घंटे धरना देंगे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को बुधवार को राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया। उन पर सदन में मंगलवार को नारेबाजी करते हुए चेयरमैन के आसन पर पेपर फेंकने का आरोप है। बुधवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने संजय सिंह को इस हफ्ते की बची हुई कार्यवाही के लिए निलंबित करने की घोषणा की। इस हफ्ते मानसून सत्र में हंगामा करने वाले राज्यसभा के 20 और लोकसभा के 4 सांसदों पर निलंबन कार्रवाई की जा चुकी है। राज्यसभा से से निलंबित किए गए सभी 20 सांसदों ने संसद में स्थित गांधी प्रतिमा के पास धरना देने का निर्णय लिया है।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने आप नेता के निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि मंगलवार को उन्होंने सदन की कार्यवाही के दौरान कुर्सी पर कागज फेंका। सिंह का निलंबन संसदीय मामलों के कनिष्ठ मंत्री वी. मुरलीधरन द्वारा 'कदाचार' और 'सदन और पीठ के अधिकार की पूर्ण अवहेलना' के लिए एक प्रस्ताव के बाद किया गया था।

मिथुन चक्रवर्ती ने किया दावा, 38 टीएमसी विधायकों से अच्छे रिश्ते

कहा-21 विधायक सीधे मेरे संपर्क में; 4 और राज्यों में बनेगी बीजेपी सरकार

कोलकाता। भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने बुधवार को एक बयान से बंगाल की सियासत में हलचल मचा दी। कोलकाता में मिथुन ने मीडिया से पूछा क्या आप ब्रेकिंग न्यूज सुनना चाहते हैं? इसके बाद बोले कि अभी की बात करें तो 38 तृणमूल विधायकों से मेरे काफी अच्छे रिश्ते हैं। इनमें से 21 विधायक सीधे मेरे संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि अभी 18 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। जल्द 4 और राज्यों में बीजेपी सत्ता में आ जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा पर आरोप लगते हैं कि वह उपद्रव कराती है, लेकिन यह सब महज साजिश है। उसे एंटी मुस्लिम बोला जाता है, अगर ऐसा है तो फिर देश में शाहरुख, आमिर और सलमान जैसे एक्टर स्टार क्यों हैं?

मैं सोकर उठा और अचानक देखा तो बीजेपी और शिवसेना सरकार बन चुकी थी। ऐसा यहां (बंगाल) में नहीं हो सकता क्या, मैं नहीं मानता। बंगाल में ईडी की कार्रवाई पर कहा- अगर सबूत नहीं है तो डरने की बात नहीं। अगर गलत किया होगा तो कोई उसे बचा नहीं सकता। भाजपा ने पार्थ चटर्जी के मुद्दे पर गुरुवार यानी 28 जुलाई को कोलकाता में रैली निकालने का फैसला किया है। भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर बीजेपी प्रदेश भर में पंचायत चुनाव से काफी पहले ममता सरकार को घेरने की स्ट्रैटजी पर काम कर रही है।

कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले

बीएसएनएल के रिवाइवल के लिए 1.64 लाख करोड़ के पैकेज को मिली मंजूरी

BSNL और BBNL का होगा मर्जर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज यानी बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि BSNL के रिवाइवल के लिए 1,6,4 156 करोड़ रुपए का रिवाइवल पैकेज की मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, कैबिनेट ने भारत संचार निगम लिमिटेड और भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (BBNL) के मर्जर को मंजूरी दी। इस मर्जर से अब देशभर में बिछे BBNL के 5.67 लाख किलोमीटर के ऑप्टिकल फाइबर का पूरा कंट्रोल BSNL हाथों में आ जाएगा। सरकार अगले तीन साल में BSNL के लिए 33,000 करोड़ रुपए का बॉन्ड जारी करेगी। वहीं सरकार MTNL के लिए 2 साल में 17,500 करोड़ रुपए का बॉन्ड जारी करेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, सरकार ने बीएसएनएल के रिवाइवल के लिए 1,6,4 156 करोड़ रुपए का रिवाइवल पैकेज को मंजूरी दी। इससे टेलीकॉम कंपनी को 4 जी में अपग्रेड करने में मदद मिलेगी।

SpiceJet पर बड़ा एक्शन, आठ हफ्ते के लिए 50प्रतिशत उड़ान सेवाओं पर लगी रोक

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने स्पाइसजेट पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एयरलाइन की 50 प्रतिशत उड़ान सेवाओं पर रोक लगा दी है। यह रोक आठ सप्ताह के लिए है। डीजीसीए के बयान के मुताबिक अलग-अलग स्पॉट चेक, निरीक्षण और स्पाइसजेट द्वारा दिए गए कारण बताओ नोटिस के जवाब को देखने के बाद यह कार्रवाई की गई है। हाल ही में राज्यसभा में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री वीके सिंह ने बताया था कि डीजीसीए ने नौ जुलाई से 13 जुलाई के बीच 48 स्पाइसजेट विमानों की 53 मौकों पर जांच की, लेकिन कोई बड़ा सुरक्षा उल्लंघन नहीं पाया गया। स्पाइसजेट के विमानों में 19 जून से 18 दिनों की अवधि के दौरान तकनीकी खराबी के कम से कम आठ मामले आए जिसके बाद डीजीसीए ने छह जुलाई को एयरलाइन को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया था। वीके सिंह ने बताया कि नोटिस जारी करने के तीन दिन बाद ही नियामक ने स्पाइसजेट के विमानों की जांच शुरू कर दी। मौके पर जांच 13 जुलाई को पूरी की गई थी।

कर्नाटक में बीजेपी नेता की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या...प्रवीण ने कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में पोस्ट की थी, 10 गिरफ्तार

बेंगलुरू। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में बीजेपी नेता प्रवीण नेट्टार की मंगलवार को कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। प्रवीण भाजपा युवा मोर्चा के जिला सचिव थे। प्रवीण ने 29 जून को राजस्थान में मारे गए कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। अब तक 10 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। मामले में कर्नाटक के गृहमंत्री अरगा जनेंद्रा ने सीएम बसवराज बोम्मई से मुलाकात की है। हत्या के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुत्तूर में प्रदर्शन किया, जो देर रात तक चलता रहा। आज भी दक्षिण कन्नड़ बंद बुलाया है। जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। उग्र भीड़ ने भाजपा सांसद नलिनकुमार कतिल की कार को घेरकर उसे झकझोर दिया। कार को पलटने की कोशिश भी की। गुस्साई भीड़ ने नारे लगाए 'वी वांट जस्टिस'।

प्रदर्शनकारियों ने कुछ जगह पर सरकारी बसों पर पथराव किया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। पुत्तूर से मेंगलुरु जा रही एक बस पर बोलवार में पथराव किया गया जिससे बस डैमेज हो गई।

इलाके में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 4 टीमें गठित की हैं। यह जिला केरल से लगा हुआ है। इसलिए वहां की पुलिस से भी मदद ली जा रही है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व सीएम सिद्दारमैया ने पुलिस से मांग की है कि दोषियों को बिना किसी भेदभाव के गिरफ्तार किया जाए। पुलिस के मुताबिक दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्लारे इलाके में प्रवीण की पोल्ट्री की दुकान है। मंगलवार को जब प्रवीण दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तभी बाइक पर कुछ लोग आए और उनका रास्ता रोक लिया। उन्होंने कुल्हाड़ी से प्रवीण पर हमला कर दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

पति-पत्नी और 2 बच्चों के गंगा में डूबे ...

पटना में श्राद्ध करने आए थे, गंगा में नहाने के दौरान एक-एक कर चार डूबे

पटना। पटना में बुधवार को एक परिवार के 4 लोग गंगा में डूब गए। पति-पत्नी अपने दो बच्चों के साथ श्राद्ध करने आए थे। इस हादसे का वीडियो भी सामने आया है। डूबते परिवार को बचाने के लिए 3-4 युवक गंगा में कूदे भी, लेकिन बहाव तेज होने की वजह से उन्हें बचा नहीं पाए। परिवार मदद के लिए चिल्लाता रहा, फिर आवाज आनी बंद हो गई। यह परिवार पटना के शेखपुरा का रहने वाला था। मृतकों नाम मुकेश कुमार (48), आभा देवी (32), सपना कुमारी (15) और चंदन कुमार (13) हैं। अभी तक किसी का भी शव बरामद नहीं किया जा सका है। पुलिस ने स्थानीय गोताखोर की मदद ले रही है। बाढ़ थाना प्रभारी राजनंदन ने बताया कि इन दिनों गंगा नदी में पानी का बहाव काफी है। इसलिए, शवों की तलाश में मुश्किल आ रही है। लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।

सीढ़ियों में 5-6 फीट की दूरी है

उमानाथ मंदिर घाट पर प्रशासन की लापरवाही सामने आई है। यहां आए दिन हादसे होते रहते हैं। यहां की सीढ़ियों में 5-6 फीट की दूरी है। इसी के चलते यहां हादसे होते हैं। सुरक्षा और बचाव के लिए भी यहां कोई प्रबंध नहीं हैं।

बाढ़ नगर परिषद वार्ड नंबर 16 की पूर्व वार्ड सदस्य रतन देवी उर्फ संजू देवी का यह मानना है कि यहां आए दिन छोटी बड़ी घटनाएं होती रहती है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की तरफ से जो भी यहां सीढ़ियां बनाई गई हैं वह काफी खतरनाक है। आज सुबह जब वह घाट पर भी जब ये परिवार स्नान कर रहा था तो सीढ़ी की वजह से अनियंत्रित होकर गंगा में जा गिरे।

सावन की शिवरात्रि के पावन दिन पर श्री जगदम्बा मातेश्वरी मन्दिर में भोलेनाथ का पुष्पों से श्रृंगार

मरूधर हिंद/विनोद शर्मा

श्री जगदम्बा मातेश्वरी मन्दिर समिति नया खेडा अम्बाबाड़ी द्वारा सावन की शिवरात्रि के पावन दिन पर समिति द्वारा भोलेनाथ का पुष्पों से श्रृंगार किया गया।मुकुल सिंह सांचोरा ने बताया कि समिति के सचिव नवरतन सिंह जी ने भोलेनाथ का दूर्वा गुलाब हजारे की फूल पत्ति से पुष्प श्रृंगार किया। समिति अध्यक्ष भवर सिंह जी कोषाध्यक्ष इंद्र सिंह जी प्रचार मंत्री करन सिंह जी व दुर्गा सिंह जी ने आरती कर भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया।

डॉ अंबेडकर सामाजिक एकता मंच के तीसरे स्थापना दिवस पर बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। डॉक्टर अंबेडकर सामाजिक एकता मंच के तीसरे स्थापना दिवस समारोह बुधवार को भिवाड़ी के आनंद लोक सोसाइटी में मनाया गया। मंच के जिला अध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम में सर्वप्रथम बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तथा सभी को संगठन के बारे में अवगत कराया गया एवं संगठन से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लगभग 35 बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में नरसी राम शास्त्री जिलाध्यक्ष डॉक्टर अंबेडकर सामाजिक एकता मंच अलवर ,मोनू जाटव जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ डॉक्टर अंबेडकर सामाजिक एकता मंच, राम निवास मेघवाल जिला उपाध्यक्ष, अशोक,सतेंद्र सैनी,चित्रा, इशिका,रेखा, शसंगीता, गुड़िया,सीमा आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षक ने अनूठे अंदाज से मनाया जन्मदिन: नरेन्द्र शास्त्री

मरुधर हिंद/नरेन्द्र शास्त्री

उदयपुर। क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय मग्घा के शिक्षक नरेन्द्र शास्त्री ने अपने जन्मदिन पर एक अनूठी पहल करते हुए जन्मदिन मनाया नरेन्द्र शास्त्री ने विधालय के जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी (कॉपी, पेन, कटर, पेन्सिल) वितरण की 7 कार्यक्रम की शुरआत विधालय के प्रधानाध्यापक करणसिंह दलावत ने की 7 इस अवसर पर नरेन्द्र शास्त्री ने कहा की एक अध्यापक को संवेदनशील होना चाहिए , विधालय के जरूरतमंद बच्चों का उसे पता होना चाहिए ओर समय समय पर उन्हे उनकी सहायता करते रहना चाहिए 7 नर सेवा हि नारायण सेवा है 7 इस अवसर एक प्रधानाध्यापक करणसिंह दलावत, नरेन्द्र शास्त्री, गहरीलाल मेघवाल , विष्णु समरिया, भंवरलाल घोघरा, अध्यापिका सुनील कुमारी, अन्नाराम हिंगड़ व राजवीर लोहान उपस्थित रहे।

पीडिता को नहीं मिल रहा न्याय,आई जी को भेजा पत्र

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। बहतूकंला के थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस महानिरीक्षक जयपर रेंज को पत्र देकर बेटी के फोटो वायरल कर ब्लैक मेल करने के आरोपियो को गिरफ्तार करने की मांग की है। पीडित पिता ने पत्र में बताया दो माह पहिले एक बदमाश के विरूध दुष्कर्म और तीन जनो के विरूध ब्लैकमेल कर दस लाख रू मांगने रिपोर्ट दर्ज कराई। लेकिन आज तीन आरोपी भी आरोपी खुले में आम घूम रहे हैं। मामले में पीडित ने पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेज को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि पुलिस ने ब्लैक मेल के एक अभियुक्त लोकेश अवस्थी से मिलीभगत करके धारा 151 में गिरफ्तार कर छोड़ दिया। जबकि किसी भी तरह का अनुसंधान एफआईआर पर नहीं किया गया। पीडित ने बताया अभियुक्त आरोपी लोकेश अवस्थी मेरी बेटी को धमकाता है। वही आरोपी का कहना है पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती मेरी जान पहचान ऊपर तक है। वही आरोपी से हम परिवार सहित भयभीत है। हमारा और बेटी का घर से बाहर निकलना दुर्लभ हो रहा है। मामले में कई बार पुलिस के उच्चाधिकारियो को अवगत करा दिया गया। लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जबकि अन्य आरोपी भी खुलेआम घूम रहे है।

गौसंत श्री रघुवीर दास जी महाराज ने नागनाथ महादेव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार से शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। गौसंत श्री रघुवीरदास जी महाराज ने नागनाथ महादेव मंदिर में पूजा अर्चना कर वैदिक मंत्रोच्चार से शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया। उसके पश्चात पार्थेश्वर चिंतामणि महादेव भगवान पूजा अर्चना आचार्य प्रखंड पंडित निकुंज मोहन जी पंड्या के मुखारविंद से मंत्रोचार से आज संपन्न हुआ जिसमें गुरुदेव गौ भक्त संत रघुवीर दास जी महाराज का भी आज धार्मिक अनुष्ठान में उपस्थिति एवं आशीर्वचन प्राप्त हुआ। कथा वाचक गौ संत रघुवीर दास जी महाराज ने कहा कि हिंदू धर्म के अनुसार सावन मास को शिव जी का माह माना जाता है, इसलिए इन दिनों में पार्थिव लिंग बनाकर शिव पूजन का विशेष पुण्य मिलता है। शिवपुराण में पार्थिव शिवलिंग पूजा का महत्व बताया गया है। कहते हैं कि जो कोई भी सच्चे मन से इनका पूजन करता है उसकी सारी मोनकामना भगवान पूरी करते हैं। बता दें कि कलयुग में कूष्माण्ड ऋषि के पुत्र मंडप ने पार्थिव पूजन प्रारम्भ किया था। शिव महापुराण के अनुसार पार्थिव पूजन से धन, धान्य, आरोग्य और पुत्र प्राप्ति होती है। वहीं मानसिक और शारीरिक कष्टों से भी मुक्ति मिल जाती है। पार्थिव पूजन से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है। शिवजी की अराधना के लिए पार्थिव पूजन सभी लोग कर सकते हैं, फिर चाहे वह पुरुष हो या फिर महिला। यह सभी जानते हैं कि शिव कल्याणकारी हैं। जो पार्थिव शिवलिंग बनाकर विधिवत पूजन अर्चना करता है, वह दस हजार कल्प तक स्वर्ग में निवास करता है। शिवपुराण में लिखा है कि पार्थिव पूजन सभी दुःखों को दूर करके सभी मनोकामनाएं पूर्ण करता है।रुद्राभिषेक के दौरान महिला समाज सेवी तिलोत्तमा पंड्या, शांता पंचाल,हेमेंद्र पंड्या,अंबिका पाठक हरेंद्र पाठक,अरुण जोशी,सुनील आर जोशी, पडियार, नपा अध्यक्ष बबलू मईडा, नपा उपाध्यक्ष नितेश बैरागी,उद्योगपति मुकेश अग्रवाल,अशोक जोशी, हितेश पडियार,नितिन सोलंकी,बेभव बैरागी,जय प्रकाश बैरागी,आदित्य व्यास,प्रशांत पंड्या,विनय पंड्या,आशुतोष जोशी,हेमंत सोनी,नितिन महोदिया,आशीष टेलर,मोक्ष पंड्या, आदि मौजूद थे।

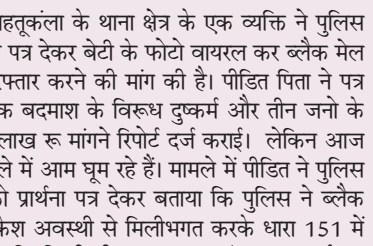

नीमराना प्रधान ने विकास कार्यों का उद्घाटन किया

नीमराना - ग्राम पंचायत परतापुर के ग्राम रामचंद्रपुरा में 4 विकास कार्यों का व माढ़न में 5 विकास कार्यों जिसमें सिविर लाइन एवं इंटरलॉक रोड मय नाली के उद्घाटन कार्यक्रम में नीमराना पंचायत समिति प्रधान संतोष यादव एवं भाजपा जिलाध्यक्ष बलवान सिंह यादव ने सरपंच अर्जुन सिंह व सरपंच सुरेन्द्र यादव की अध्यक्षता में उद्घाटन किया ।

ग्रामवासियों द्वारा गाजा बाजा से ग्राम में जुलूस निकालकर भव्य स्वागत किया गया । एवं ग्रामवासियों द्वारा प्रधान संतोष यादव को शाल ओढ़ाकर फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया । साथ ही भाजपा जिला अध्यक्ष बलवान सिंह यादव को राठ की पगड़ी पहनाकर फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया । नीमराणा प्रधान संतोष यादव ने गांव के विकास के लिए आश्वासन दिया । स्वच्छ ग्राम पंचायत बनाने के लिए सरपंच एवं ग्राम वासियों से आग्रह किया । हर गांव को सरकार द्वारा चलाई गई हर योजना का हर नागरिक को लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा । भाजपा जिला अध्यक्ष बलवान सिंह यादव ने संबोधित करते हुए कहा नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार द्वारा हर जन कल्याणकारी योजनाओं से हर ग्राम पंचायत का विकास करने का कार्य किया जाएगा । केंद्र सरकार हर गरीब किसान वंचित लोगों को ऊपर उठाने के लिए कार्य कर रही है । गांव की समस्या सुनी एवं विकास कार्य के लिए हमेशा तत्पर रहने के लिए आश्वासन दिया। प्रत्येक विकास कार्य पारदर्शिता के साथ किए जाएंगे । केंद्र सरकार की योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए आग्रह किया । गांव के हर व्यक्ति को सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा । इस अवसर पर सरपंच संघ अध्यक्ष उमाशंकर यादव , गिगलाना पूर्व सरपंच योगेश चौहान, श्री राम भोला सरपंच काठुवास , मोहित जी सरपंच हूड़िया कला ,भूपेंद्र यादव सरपंच प्रतिनिधि फौलादपुर ,ऋषि राज यादव पंचायत समिति सदस्य शाहजहांपुर, गजेंद्र जी सरपंच माजरा एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

सरपंच संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर पंचायत समिति परिसर में दिया धरना

मरूधर हिन्द

कठूमर।दिनेश लेखी। उपखंड मुख्यालय पर पंचायत समिति परिसर में सरपंच संघ कठूमर ने विभिन्न मांगो को लेकर धरना देकर ज्ञापन सौपा। सरपंच संघ के अध्यक्ष जोरमल जाटव ने बताया कि सरपंच संघ के लिखित समझौते वादाखिलाफी एवं मांग पत्र पर आदेश जारी नहीं करने से आक्रोशित सरपंच संघ ने आंदोलन करने के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी कठूमर को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि पंचायत राज विभाग एवं सरकार के द्वारा सरपंच संघ से पंचायत राज मंत्री के साथ 21 मार्च 2022 को मांग पत्र पर समझौता किया गया था। लेकिन सरपंच संघ के प्रतिनिधि मंडल द्वारा बार-बार निवेदन करने के बाद भी मांगों पर सहमति नहीं बन गई थी उनके आदेश भी जारी नहीं किए गए इधर नागौर दौरे के वक्त पंचायत राज्य मंत्री रमेश मीणा द्वारा नरेगा में लगाए गए अनियमितताए,घोटालों के आरोपों के कारण सरपंच संघ आहत होकर भारी निराशा एवं आक्रोश व्याप्त है। जिसके कारण सरपंच संघ द्वारा सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए आंदोलन करने का निर्णय किया है। आंदोलन में प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में होने वाले ग्राम सभाओं का बहिष्कार, सभी कार्यों का बहिष्कार को लेकर मुख्यमंत्री को उपखंड अधिकारी के द्वारा ज्ञापन कार्यक्रम एवं पुतला दहन सांस्कृतिक धरना प्रदर्शन किया। आगामी 1 अगस्त को जिला स्तर पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन,5 अगस्त को जयपुर में अनिश्चितकालीन धरना महापड़ाव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस मौके पर सरपंच संघ अध्यक्ष जोरमल जाटव, हरबीर चौधरी, शेरसिंह मीणा, बनवारी, शीला देवी, कम्पूरी देवी, पूजा देवी, कमल देवी,मानसिंह मीणा, सीमा देवी, धापा देवी, रेखा चौधरी, राजेश ,राजंती शर्मा,राजेंद्री, रामचरण यादव आदि सरपंच उपस्थित रहे।

वागड़ में सोशल मीडिया के सहारे जरूरतमंदों की जान बचा रहे युवा

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। सोशल मीडिया के नकारात्मक व सकारात्मक पक्ष की चर्चा अक्सर होती रहती है परंतु वागड़ के युवाओं द्वारा सेवा के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर निरन्तर कई जरूरतमंदों का जीवन बचाया जा रहा है।क्षेत्र में सपना फाउंडेशन द्वारा रक्तदान के लिए किये जा रहे जागरूकता अभियान का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। रक्तवीर कई किमी. का सफर कर जिला मुख्यालय पहुंच कर रक्तदान कर लोगों का जीवन बचा रहे हैं।शिक्षक ने रक्तदान कर बचाई दो जानें जिला चिकित्सालय में एक थैलेसीमिया पीड़ित बालिका एवं एक शिशु बालिका को ए+ रक्त की आवश्यकता थी। जिला अस्पताल में इस रक्त ग्रुप की लंबे समय से कमी चल रही है जिसके चलते सपना फाउंडेशन द्वारा सोशल मीडिया पर ए+ रक्त आवश्यकता की सूचना वायरल हुई तो सोशल मीडिया पर हाल ही में वायरल पोस्ट से सुर्खियों में आये हेडमाड़साब उपनाम से चर्चित लेखक व छोटी सरवन ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खूंटड़िया के संस्थाप्रधान वनेश्वर गर्ग ने रक्तदान करने की इच्छा ज़ाहिर की जिसके बाद आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए 35 किमी दूर विद्यालय से रक्तदान हेतु राजकीय महात्मा गांधी चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक पहुँचे व अपने रक्त से दो जरूरतमंदों की जान बचाई। रक्तवीर द्वारा पूर्व में भी आपातकालीन रक्त की आवश्यकता होने पर 75 वर्षीय बुजुर्ग के लिए रक्तदान किया गया था और इस बार भी बारिश में भीगते हुए हॉस्पिटल पहुँचे व रक्तदान किया।रक्तवीर गर्ग ने कहा कि रक्तदान से घबराए नहीं बल्कि जरुरतमंद को रक्तदान करके जीवन बचाये। इस दौरान सपना फाउंडेशन कॉर्डिनेटर रोहित गणावा, रोहित निनामा, अजय मईड़ा उपस्थित रहे।सागवाडा में 14 वर्षीय बच्ची के लिए आगे आये तीन रक्तवीर

सागवाडा में राहुल सेवक द्वारा रक्त आवश्यकता की सूचना वायरल करने पर कपिल पाटीदार, हेमेंद्र चारण, विकास प्रजापत द्वारा रक्तदान किया गया। इस दौरान सहयोगी शेखर जी सुथार उमेश जी पाटीदार, दीपक परमार का सहयोग रहा।

खेडली पुलिस ने एक साथ लापता हुई तीन बहनों को 6 घंटों किया दस्तयाब

मरूधर हिन्द

खेडली।दिनेश लेखी। थाना क्षेत्र की एक साथ लापता हुई तीन बहनों को पुलिस द्वारा मंगलवार को 6 घंटे में जयपुर से दस्तयाब किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जगजीवन राम आईसी थाना खेड़ली के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाना क्षेत्र से एक साथ लापता हुई तीन बहनों को मात्र 6 घंटे में जयपुर से दस्तयाब किया। तथा साथ ही थाना क्षेत्र से पूर्व में गुम हुई तीन अन्य लड़कियों को अलग-अलग स्थानों से दस्तयाब किया गया।

तिजारा डॉक्टर अंबेडकर सामाजिक एकता मंच के तीसरे स्थान स्थापना दिवस मनाया गया

मरुधर हिंद राकेश सैनी

डॉक्टर अंबेडकर सामाजिक एकता मंच के तीसरे स्थापना दिवस समारोह भिवाड़ी के आनंद लोक सोसाइटी में मनाया गया द्यसर्वप्रथम बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई तत्पश्चात झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लगभग 35 बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई कार्यक्रम में नरसी राम शास्त्री जिलाध्यक्ष डॉक्टर अंबेडकर सामाजिक एकता मंच अलवर ,मोनू जाटव जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ डॉक्टर अंबेडकर सामाजिक एकता मंच, राम निवास मेघवाल जिला उपाध्यक्ष, अशोक जी, सतेंद्र सैनी ,चित्रा जी , इशिका, रेखा, संगीता, गुड़िया ,सीमा आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे द्यसभी को संगठन के बारे में अवगत कराया गया एवं संगठन से संबंधित जानकारी प्रदान की गई द्यजय भीम नमो बुद्धाय जय संविधान

तिजारा शीतला गुलाबो माता के मंदिर में नीलकंठ महादेव परिवार प्राण प्रतिष्ठा कार्य संपन्न हुआ

मरुधर हिंद राकेश सैनी

तिजारा गुलाबो शीतला माता के मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम आज संपन्न हुआ । जिसमें आज प्रदीप जैन डब्बू ने बताया प्रतिष्ठा चार्य परमानंद महाराज महंत गंगा मंदिर तिजारा ने विधि विधान से नीलकंठ महादेव राधा कृष्ण एवं हनुमान जी महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। जिसमें 9ः30 बजे बैंड बाजों के साथ कलश यात्रा सारे बाजार होती हुई वापस मंदिर पहुंची जगह जगह पर कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया मंदिर प्रांगण में गायत्री परिवार द्वारा पंच गुंडे गायत्री महायज्ञ जिसमें जजमान प्रदीप अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल ,पंडित सुंदरलाल शर्मा महिला पुरुषों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया संस्था अध्यक्ष अशोक अग्रवाल महंत जस्सू महाराज मातादीन जांगिड़ कैलाश चंद अग्रवाल वेदा गुर्जर सुनील अग्रवाल विक्रम सैनी राज दत्त मिश्रा अनिल शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे मूर्ति स्थापना के बाद भंडारे का आयोजन किया गया।

प्रतिभाओं को दें उचित अवसर- मावजी खांट

शारीरिक शिक्षकों की वाकपीठ सम्पन्न, मैदानों में हरियाली लाने का संकल्प

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा. जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मावजी खांट ने कहा कि प्रतिभाओं को तराशकर उन्हें उचित अवसर प्रदान करें। जिले के शारीरिक शिक्षकों की वाकपीठ के समापन में उन्होंने कहा कि खेल भावना के साथ विद्यालय में कार्य करते हुए कौशल सिखाएं। रंगमंच में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को देने का आह्वान किया। कार्य के प्रति गम्भीर रहने के निर्देश देते हुए हर कार्य के लिए तत्पर रहने की घुट्टी पिलाई। उन्होंने खेल स्पर्धाओं में चौकन्ने रहने एवं निष्ठा से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। समापन समारोह में वाकपीठ जिलाध्यक्ष विनोद पानेरी ने दो दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अध्यक्षता हेनरी डोडियार ने की। विशिष्ट अतिथि व्याख्याता शारीरिक शिक्षक मानशंकर गरासिया व शारीरिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र पण्डित रहे। अतिथियों का स्वागत उपाध्यक्ष वीरचन्द मईड़ा, रुक्मणि गरासिया, अनिशा जैन, लक्ष्मीनारायण टेलर, सुनील कश्यप, चन्द्रवीरसिंह, कमलेश्वरसिंह, अनिल शर्मा, हरसिंह खड़िया, विमल समाधिया, हमजी डामोर, धुलिया हुवोर, नरेन्द्रपालसिंह, मोहम्मद रफीक, शिवलाल पटेल, लक्ष्मी डामोर, नीतू पारगी ने किया। कार्यक्रम में यूसुफ मिर्जा ने गीत प्रस्तुत किया। समारोह का संचालन वाकपीठ सचिव रवि चौहान ने किया। आभार सह सचिव अचल मालोत ने व्यक्त किया।

इससे पूर्व प्रातःकालीन सत्र में विनोद पानेरी ने पीपीटी के माध्यम से प्रार्थना सभा एवं खेलकूद की वार्षिक योजना पर वार्ता दी। अचल मालोत ने एथेलेटिक्स के नियम व नाप पर एवं पुष्पेन्द्रसिंह तंवर व प्रियेश मेहता ने बेडमिंटन खेल के कौशल पर वार्ता दी। वॉलीबॉल पर रामसिंह चौहान व जयन्त पाटीदार ने तथा जुडो, कराटे व कुश्ती पर मुकेश पाटीदार व विमल समाधिया ने प्रभावी वार्ता दी। क्रिकेट खेल की बारीकियों की जानकारी अविनाश चौबीसा, भूषण त्रिवेदी व कपिल जोशी ने दी। सॉफ्टबॉल पर राजेश शुक्ला व हरीश व्यास तथा टेबल टेनिस पर राकेश शुक्ला व कमलेश गरासिया ने वार्ता दी। इस मौके पर कार्यकारिणी की ओर से उल्लेखनीय सेवाओं के लिए हेनरी डोडियार, इन्द्रसिंह चौहान, नरेन्द्र पण्डित, सोमेश्वर निनामा, विमलप्रकाश समाधिया, प्रभुलाल कतीजा, विपिन कुमार गोयल व गोमतीशंकर पण्डया का पगड़ी व माला पहिनाकर बहुमान किया गया। अंत मे कोरोना काल में दिवंगत शारीरिक शिक्षकों को श्रद्धांजलि दी गयी। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संच मंगलेश्वर आचार्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग मठ मंगलेश्वर धाम पर हुआ

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। विद्या भारती जनजाति शिक्षा राजस्थान बांसवाड़ा जिले के संच मंगलेश्वर आचार्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग मठ मंगलेश्वर धाम पर हुआ का वर्ग का शुभारंभ मंगलेश्वर धाम के महंत दिवाकर भारती के द्वारा दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया एवं जिला प्रवासी रामलाल जी गरासिया जिला भजन मंडल प्रमुख लक्ष्मण जी गरासिया उपस्थित रहे महंत दिवाकर भारती ने अपने उद्बोधन में आचार्यों को धन्यवाद देते हुए कहा कि विद्या भारती जनजाति समिति जनजाति क्षेत्र में शिक्षा के साथ-साथ नन्हें-नन्हें भैया बहनों को संस्कार एवं एक आदर्श व्यक्ति निर्माण का कार्य एवं समाज में स्वालंबन को लेकर के जनजाति शिक्षा के कार्यकर्ता क्षेत्र में एक आदर्श समाज के निर्माण के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं विद्या भारती जनजाति शिक्षा के जिला प्रवासी रामलाल जी गरासिया ने जनजाति शिक्षा के गतिविधियों के बारे में आचार्यों को जानकारी दी एक दिवसीय प्रशिक्षण में उपस्थित कार्यकर्ता संच प्रमुख कालू सिंह देवदा धूल चंद सीता डिंडोर विस्ता राणा एवं विद्या भारती जनजाति शिक्षा के आचार्य उपस्थित थे। यह जानकारी मंगलेश्वर संच के संच प्रमुख कालूसिंह देवदा ने दी।

विधायक बैरवा ने नगर पालिका क्षेत्र खेडली में 23 सड़को के निर्माण का किया शिलान्यास

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। नगर पालिका क्षेत्र खेडली में 398.51 लाख रुपये की लागत से 23 सड़कों का निर्माण होगा। जिसका शिलान्यास बुधवार विधायक बाबूलाल बैरवा द्वारा फीता काटकर किया गया। नगर पालिका पार्षद वीरू बैरवा ने बताया कि इस दौरान विधायक का नगर पालिका क्षेत्रवासियों द्वारा भव्य स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम में विधायक बाबूलाल बैरवा ने संबोधित करते हुए कहा हमने साढे 3 साल में सड़क,शिक्षा,एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में जनता से किया गया हर वादा पूरा किया है। इस मौके पर वित्त विकास आयोग के उपाध्यक्ष अवधेश बैरवा, नगरपालिका चेयरमैन संजय गीजगडिया, पार्षद वीरु बैरवा,पंचायत समिति सदस्य पिंकू शर्मा कठूमर, खेड़ली थानाधिकारी राजवीर शेखावत,सानिवि अधीशाषी अभियंता श्रीवास्तव,सहायक अभियंता सुरेश चंद वर्मा, ईओ किंगपाल सिंह,एईएन ब्रजमोहन मीणा, प्रतिपक्ष नेता राजकुमार जैन, हरदयाल अवस्थी, हरभजन समूची,पिंकू शर्मा,प्रहलाद जाटव,चीनेश अग्रवाल, संतोष कैरव, श्यामलाल बसेठिया, सहित काफी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

खेरली कस्बे के अग्रसेन महिला महाविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

खेरली।दिनेश लेखी। कस्बे के अग्रसेन महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में आज वार बुधवार को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. हेमा देवरानी की अध्यक्षता कार्यक्रम प्रभारी डॉ. नेहा गोयल एवं कार्यक्रम अधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय एवं आर. आर. महाविद्यालय से आये बाह्रय प्रायोगिक परीक्षक डॉ. सुंदरलाल शर्मा प्राध्यापक जन्तु विज्ञान ,डॉ. अशोक नागर प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान,डॉ. एम. के. जाजोरिया प्राध्यापक भूगोल विभाग के द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर महाविद्यालय के सहायक आचार्य ओमवती देवी वनस्पति विज्ञान, राजेश सैनी जन्तु विज्ञान, कु. मीनू शर्मा एवं कु. आयुषी खण्डेलवाल प्राध्यापक भूगोल विभाग, श्रद्धा शर्मा, मंगलसिंह सैनी, भूपचन्द्र शर्मा, जगमोहन अग्रवाल एवं समस्त अशैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती के लिए जल संसाधन मंत्री महेंद्र जीत सिंह मालवीया जी को ज्ञापन सौंपा

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती के परिणाम में शिथिलता हेतु टीएसपी क्षेत्र के युवाओ द्वारा माननीय जल संसाधन मंत्री महेंद्र जीत सिंह मालवीय जी को ज्ञापन सौंपा। 18 जून 2022 को आयोजित कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती के प्रश्न पत्र का स्तर काफी उच्च रहा। जिस वजह से न्यूनतम उत्तीर्णअंक भी अर्जित कर पाना बहुत कठिन था। इस परीक्षा में 02 प्रश्न पत्र थे। एक सामान्य ज्ञान तथा दूसरा कंप्यूटर विषय सम्बन्धी। जिसें कंप्यूटर विषय का प्रश्न पत्र Gate, ESE तथा ISRO लेवल का था।इसमें rsmssb बोर्ड की भी एक बड़ी गलती है, इस भर्ती की विज्ञप्ति में 40द्व सामान्य वर्ग तथा 35द्व ह्यह्ल ह्य्ष वर्ग के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अर्जित करने है यह बिंदु उल्ल्लेखीत नहीं था। परीक्षा आयोजित होने के बाद बोर्ड ने संशोधित विज्ञप्ति जारी कर यह नियम सार्वजनिक किया।

टीएसपी क्षेत्र में इस भर्ती में कुल 888 पद स्वीकृति है यदि बोर्ड परिणाम में शिथिलता नहीं देता है तो बड़ी संख्या में पद रिक्त रहेंगे और टीएसपी क्षेत्र विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी कंप्यूटर शिक्षा से वंचित रह जाएंगे।

आपको बता दे कि टीएसपी क्षेत्र के नियम 2014 अलग है जिसके अनुसार न्यूनतम उत्तीर्णअंक का कोई प्रावधान नहीं है।यह न्यूनतम उत्तीर्णअंक का नियम राजस्थान एजुकेशनल रूल 2021 के अंतर्गत आता है जो टीएसपी क्षेत्र पर थोपा जा रहा है। इस नियम में 40 फीसदी और 35 फीसदी का प्रावधान हटाया जाए या शिथिलता दी जाए ताकि टीएसपी क्षेत्र की सभी सीट भरी जाए और यहां के बच्चों को भी कंप्यूटर शिक्षा का लाभ मिले इस सम्बंध में आज कंप्यूटर अनुदेशक अभ्यर्थियों ने माननीय जल संसाधन मंत्री महेंद्र जीत सिंह मालवीय जी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अभ्यर्थी देवेंद्र पटेल, प्रदीप पटेल,लोकेश प्रजापत, वीर सिंह, मोहित सोनी, नरेश आदी उपस्थित रहे। ये जानकारी गुरमीत चरपोटा कंप्यूटर अनुदेशक अभ्यर्थी ने दी।

बोल अनमोल

नीच बुद्धि वाले मनुष्य अपनी प्रतिष्ठा के लिए दूसरों के सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं।

- तुलसीदास

सीमा सड़कों का विस्तार

जून, 2020 में गलवान घाटी में सैनिकों की हिंसक झड़प के बाद से भारत ने सीमा अवसंरचना विकास के लिए तत्परता दिखायी है। राज्यसभा में सरकार ने बताया कि पांच वर्षों में भारत-चीन सीमा पर सभी मौसम अनुकूल 2,088 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ है। सड़क अवसंरचना के लिए 15,477 करोड़ रुपये खर्च किये गये। साथ ही चीन, पाकिस्तान, म्यांमार और बांग्लादेश की सीमा तक पहुंच आसान बनाने के लिए 20,767 करोड़ की लागत से 3,595 किमी सड़क का निर्माण किया गया है। इसमें सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा 4,242 करोड़ की लागत से भारत-पाकिस्तान सीमा पर बनायी गयी 1,336 किमी की सड़क भी शामिल है। दिसंबर, 2022 तक बीआरओ 61 सामरिक सड़कों को पूरा कर देगा, ताकि सीमाई इलाकों में सैनिकों और अन्य सामानों का आवागमन आसान हो सके। चीन ने नॉर्दर्न सेक्टर में सैनिकों की मौजूदगी बढ़ायी है। पर्वतीय इलाकों में आवागमन की बेहतर व्यवस्था होने से चीनी सैनिक दुर्गम स्थानों पर जल्दी दाखिल हो जाते हैं। ऐसे में बीआरओ को समानांतर परियोजनाएं जारी रखने के साथ-साथ तकनीक की मदद से इसे समयबद्ध ढंग से पूरा करना चाहिए। वर्ष 2022-23 में बीआरओ के पूंजी बजट में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई, अब यह 3500 करोड़ रुपये हो गया है। सीमाई इलाकों की सुरक्षा और विकास के प्रति सरकार की इससे प्रतिबद्धता जाहिर होती है। सीमा पर गतिरोध और चीनी सैनिकों के जमावड़े को देखते हुए सीमा सुरक्षा और निगरानी को बेहतर करने की आवश्यकता है। बीआरओ ने 2021-22 में 102 अवसंरचना परियोजनाओं, जिसमें 87 पुल और 15 सड़कें शामिल हैं, को पूरा किया है, जो किसी एक साल में अधिकतम है। इससे सशस्त्र बलों की तैयारी में मदद तो मिलेगी ही, साथ ही दूरदराज इलाकों में रहनेवालों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति भी सुधरेगी। मई, 2020 में सरकार ने सीमा अवसंरचरना से संबंधित शेकातकर समिति के सुझावों को लागू किया था, जिससे बीआरओ की खरीद क्षमता बढ़ी है। साथ ही बीआरओ महत्वपूर्ण उपकरणों को हासिल कर सड़क निर्माण कार्यों में तेजी ला रहा है। निर्माण परियोजनाएं समय से और सही ढंग से पूरी हों, इसके लिए विभिन्न मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। सीमित संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल के साथ-साथ लालफीताशाही को हटाना होगा। इससे परियोजनाएं तय समय में पूरी होंगी। चीन की हरकतों और संभावित चुनौतियों को देखते हुए ऐसे प्रयासों में तेजी लाने की जरूरत है।

आज के ट्वीट

ओमप्रकाश राजभर की छड़ी बगैर वैशाखी के नहीं चल सकती है। उनका कुछ भी तय नहीं रहता है। कब किसके साथ निकाह हुआ और कब किसके साथ तलाक। ओमप्रकाश राजभर जो अपनी बातों पर खरा नहीं उतरता है। उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। जिस बहन मायावती के साथ जाने की वह बात कह रहे थे। उन्होंने भी उन्हें रास्ता दिखा दिया है। जिन भी बैसाखी का सहारा लेकर वह राजनीति में आगे बढ़े हैं।

- राजीव राय

जैसे जर्मनी का एकीकरण हुआ, ठीक वैसे ही बांग्लादेश और पाकिस्तान का भी भारत में विलय संभव है। विभाजन नहीं होना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस के कुछ लोगों को सत्ता लेने की शायद जल्दी थी। अगर सत्ता को थोड़ा सा छोड़ देते ऐसा हो सकता था कि 5, 10 और 20 साल बाद भी विभाजन नहीं होता। हम चाहते हैं कि हमारे पड़ोसियों के साथ हमारे अच्छे संबंध हों।

- मनोहर लाल खट्टर

आज का इतिहास

- **1995 - वियतनाम आसियान का सदस्य बना।**
- **2001 - पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद सिद्दकी खान कंजू की हत्या की गई।**
- **2004 - इराक के बाकूबा शहर में एक पुलिस भर्ती केन्द्र में विस्फोट से 68 लोगों की मृत्यु।**
- **2005 - सौरमंडल के दसवें ग्रह की खोज करने का दावा।**
- **2007 - पाकिस्तान सरकार ने विवादास्पद लाल मस्जिद को अनिश्चितकाल तक बन्द करने की घोषणा की।**
- **2008 - निर्गुट देशों की मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए भारत के विदेशमंत्री प्रणव मुखर्जी तेहरान रवाना हुए।**

जन्मे जो आज के दिन

सुविज्ञ शर्मा

एक भारतीय कलाकार, चित्रकार और उद्यमी हैं, जिन्हें अपनी लघु-चित्रों, तंजौर पेंटिंग, फ्रेस्को वर्क और सजीव चित्रों के लिए जाना जाता है। भारत की प्रसिद्ध वास्तुकला धरोहर स्थानों जैसे जयपुर में सिटी पैलेस एवं जामा मस्जिद सहित अनगिनत पुनर्नवीकरण और फ्रेस्को पेंटिंग प्रोजेक्ट्स का श्रेय उनको जाता है। उन्हें प्रतिष्ठित भारत गौरव अवार्ड, 2012 से सम्मानित किया गया है। एसएमएस और विद्याश्रम स्कूल से पढ़े सुविज्ञ के क्लाइंट्स में बॉलीवुड सेलिब्रिटीज तो हैं ही, देश की टॉप बिजनेस फैमिलीज भी शामिल हैं। टॉप बिजनेस फैमिली में एल.एन. मित्तल, अंबानी, बिड़ला, बरमन्स, सिंघानिया, पीरामल और बजाज बिजनेस फैमिली भी शामिल हैं। बजाज के पूर्वजों के पोर्ट्रेट तैयार कि ए, वहीं एल.एन. मित्तल कपल पोर्ट्रेट और अंबानी फैमिली के पोर्ट्रेट भी वे तैयार कर चुके हैं। साथ ही सिंगापुर आर्ट म्यूजियम को भी रेस्टोर कर चुके हैं।

खिसकती जमीन पर तने रहने की अदा

जयराम शुक्ल

स्थानीय निकाय चुनाव में विन्ध्य महाकौशल और चंबल-ग्वालियर में भारतीय जनता पार्टी की खिसकती हुई जमीन को हम सब देख रहे हैं, बावजूद इसके चुनाव परिणाम के सांख्यिकी आंकड़ों के साथ प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा अड़े हैं कि जनता ने उन्हें ऐतिहासिक समर्थन दिया है। इस 'ऐतिहासिक' समर्थन से मुदित नेताओं ने बैंडबाजे के साथ एक-दूसरे को को मिठाइयां खिलाईं और पीठ थपथपाई। लेकिन इस चुनाव परिणाम से यदि किसी की पेशानी में चिन्ता की लकीरें हैं तो वे हैं 'धरतीपकड़' मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान। उन्हें जन्नत की हकीकत अच्छे से मालुम है। वे आने-जाने के लिए हवा में उड़ते जरूर हैं लेकिन अभी भी मूलतः हैं पांव-पांव वाले भैय्या। सच्चाई स्वीकार न करना समूचे संगठन और उसके विशाल समर्थक वर्ग को दिवास्वप्न या झांसे में रखने जैसा है और रणनीतिक तौरपर पर खतरनाक भी।

कोई लाख कहे कि स्थानीय निकाय के चुनाव और विधानसभा के चुनाव में मतदाताओं का मूड अलग होता है, लेकिन मैं इससे कभी सहमत नहीं रहा। नेता दोहरे चरित्र के हो सकते हैं मतदाता नहीं। उसका गुस्सा रंग-नस्लभेद से ऊपर रहता है। सो यदि लगभग आधे मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले आठ नगर निगमों में भाजपा को यदि एक में जीत मिलती है तो इसे आगे की सत्ता पर बने रहने के खिलाफ खतरे का अलार्म जो न सुने वह राजनीति का खिलाड़ी नहीं, अनाड़ी है। केंद्र व प्रदेश की सत्ता में सबसे ज्यादा रसूख रखने वाले ग्वालियर-चंबल में मतदाताओं का बागी मूड उभरकर आया। अब तक अपराजेय रही ग्वालियर सीट अच्छे खासे अंतर से भाजपा हारी। दिग्गज नेताओं के राजसी रोड शो के रथ को मुरैना के मतदाताओं ने पंचर कर दिया। नगरपालिका और नगरपरिषद के चुनावों में भी कांग्रेस आधेआध से कम नहीं। महाकौशल की जबलपुर, छिन्दवाड़ा, कटनी और विन्ध्य की रीवा, सिंगरौली भाजपा के खिलाफ गई। सतना में बसपा की बदौलत भाजपा की लाज बच गई। महत्वपूर्ण घटनाक्रम प्रदेश की राजनीति में सिंगरौली के जरिए 'आम आदमी पार्टी' का प्रवेश है।

अब विधानसभा सीटों की गणित समझ लें। ग्वालियर चंबल में 34, महाकौशल में 32, विन्ध्य (बघेलखण्ड) में 30 सीटों को जोड़ दे तो 96 सीटें बैठती हैं, प्रदेश की 230 सीटों की एक तिहाई से ज्यादा। ये आठ नगर निगम मतदाताओं के मूड का प्रतिनिधित्व करते हैं क्योंकी ये सभी नगर अपने-अपने इलाके के 'मिनी-कैपिटल' हैं। राजनीति के रंग-तरंग और लहरें यहीं से पैदा होती हैं।

राजमाता-श्रीमंत और महल की राजनीति की पहचान वाला यह इलाका इतना स्वाभिमानी रहा कि दो बार प्रदेश की सत्ता को बदल दिया। पहली बार 1967 में पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र के व्यंग्यबाणों से आहत विजयाराजे सिंधिया ने कांग्रेस की सरकार पलटकर संयुक्त विधायक दल की सरकार बनाई। उनके पौत्र ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2020 में उसी घटनाक्रम को दोहराया। फर्क इतना समझें कि राजमाता 'पावर-हंगर' नहीं थीं जबकि श्रीमंत ज्योतिरादित्य में सत्ता का हिस्सा बनने की आतुरता थी। वे लोकसभा का चुनाव हार चुके थे और कांग्रेस उन्हें राज्यसभा लायक नहीं मान रही थी। सत्ता में साझेदारी की ललक के चलते समूचा इलाका राजनीतिक दलदल में बदल गया।

कांग्रेस के जो नेता भाजपा में गए वे आज भी कांग्रेसी चरित्र जी रहे हैं। भाजपा में ऐसी स्पष्ट गुटबाजी कभी सतह तक नहीं आई। भाजपा का संस्कारी कार्यकर्ता आहत और उपेक्षित है। ग्वालियर के वरिष्ठ पत्रकार देव श्रीमाली मानते हैं कि विधानसभा चुनाव तक स्थितियां और बिगड़ने वाली ही हैं। कांग्रेस से आए विधायकों ने किसी न किसी भाजपा नेता को ही चुनाव में हराया था। टिकट को लेकर घमासान मचेगा। आप देखेंगे कि चुनाव आते तक कई कांग्रेसी सत्ता का मजा भोगने के बाद मूल पार्टी में लौट जाएंगे। जो बचेंगे भी पुराने भाजपाई उनको टिकट मिलना और जीतना दोनों हराम कर देंगे। चंबल-ग्वालियर के मतादाताओं को साधे रखने की कूव्वत अब ज्योतिरादित्य में नहीं बची और भाजपा के पुराने नेता इस स्थिति को 'पार्टी की नियति' मानकर में किनारा कर लेंगे।

और हां प्रदेश के मंत्रिमण्डल में नाना प्रकार के मंत्रियों में सबसे ज्यादा ग्वालियर-चंबल से ही हैं इनमें से ज्यादातर मंत्री अपने 'बाबा प्रकार' के क्रियाकलापों से अक्सर सुर्खियाँ बटोरते रहते हैं। एक बार जबलपुर के पत्रकारों ने प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से पूछा कि प्रदेश सरकार में महाकौशल की उपेक्षा क्यों? किसी को प्रतिनिधित्व लायक नहीं समझा गया? जवाब में शर्मा जी ने कहा- मैं हूं न, क्या मैं महाकौशल का प्रतिनिधित्व नहीं करता। शर्मा खजुराहो से लोकसभा सदस्य हैं, कटनी के कुछ विधानसभा क्षेत्र इसमें शामिल हैं। कटनी को महाकौशल का हिस्सा मान लिया जाता है..शायद इस नाते शर्मा जी स्वयं को यहां का प्रतिनिधि मानते होंगे। बहरहाल यह जवाब उस जबलपुर को मुंह चिढ़ाने वाला ही कहा जा सकता है जो जबलपुर प्रदेश की राजधानी बनने के सांप-सीढ़ी के खेल में जरा सा चूक गया। जो जबलपुर स्वतंत्रता संग्राम का उद्घोष स्थल रहा। जिस जबलपुर को आज भी देश की संस्कारधानी कहा जाता है। सतत उपेक्षा के चलते 2018 के चुनाव में महाकौशल ने कांग्रेस का साथ दिया। कमलनाथ मुख्यमंत्री बने और अपनी कैबिनेट में जबलपुर के दो विधायकों को रखकर इसका मान दिया। यही नहीं एक बार यहीं कैबिनेट बैठक करके जबलपुर को राजधानी के बराबर होंने का अहसास दिया। 2020 में जब सत्ता पलटी तो भाजपा सबसे ज्यादा मजाक इसी महाकौशल के साथ किया। जबलपुर को भाजपामय करने के लिए सड़कों पर संघर्ष करने वाले अजय विश्नोई अपनी ही पार्टी में 'जोकर' बना दिए गए। उनके ट्वीट पर उन्हीं के पार्टीसाथी मजा लेते हैं। बालाघाट के कद्दावर गौरीशंकर बिसेन को उम्र का हवाला देकर कैबिनेट से बाहर रखा गया। संस्कारधानी के वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य भट्ट कहते हैं कि..भाजपा ने महाकौशल को माटी के मोल समझने की भूल की है, स्थानीय निकाय के चुनाव परिणामों से जो सिलसिला चल निकला है वह विधानसभा चुनाव तक जारी रहने वाला है। डैमेज कंट्रोल के लिए काफी देर हो गई है।

महाकौशल में आदिवासी भी एक फैक्टर है। गोडवाना गणतंत्र के बाद जयस का भी असर दिखने लगा है। मंडलात्र-डिंडोरी और उससे लगे विन्ध्य के अनूपपुर की विधानसभा सीटों में भाजपा को जो हार मिली उसके पीछे जयस का प्रभाव है..प्रदेश नेतृत्व माने न माने पर ओमप्रकाश धुर्वे ऐसा ही मानते हैं। प्रायः हर कैबिनेट के सदस्य रह चुके धुर्वे को इस बार करारी हार झेलने को मिली थी। जयश्री बनर्जी, दादा परांजपे ने जिस महाकोशल और जबलपुर को भाजपा के मजबूत किले में गढ़कर नई पीढ़ी को सौंपा था उस किले में के कंगूरे पर बैठकर चार बार के सांसद राकेश सिंह के पास अब उसकी दरारें गिनने के अलावा कोई काम नहीं बचा है..। केंद्र की कैबिनेट का सदस्य बनना उनके प्रारब्ध में नहीं। नगरीय चुनाव में विन्ध्य से निकले संदेश को भी यदि भाजपा का प्रदेश नेतृत्व 51परसेंट की वोट सांख्यकी में शामिल करके अपनी 'ऐतिहासिक जीत' का डंका पीटे तो इसे हम 'सावन में अंधे का मजा' ही कह सकते हैं। रीवा मुद्दतों बाद बमुश्किल कांग्रेस व सोशलिस्टों से छूटकर भाजपा के प्रभाव में आया था। जनता के सीधे वोटों से भाजपा की जीत की शुरूआत 1998 में यहीं से हुई । 2003 में विधानसभा सीट भी कब्जे में आई और अबतक है। नगर निगम के चुनाव इस मतिभ्रम को तोड़ दिया। यही नहीं.. चुरहट, सीधी से सिंगरौली तक भाजपा एक तरह से साफ है। उधर कबीना मंत्री मीना सिंह का मानपुर और राज्यमंत्री रामखेलावन का अमरपाटन भी सफा है। जिला पंचायत में स्पीकर गिरीश गौतम के सुपुत्र करारे मतों से हारे तो विधायक पंचूलाल की पत्नी भी इसी चुनावी गति को प्राप्त हुईं। शहडोल समेत तीन नगरीय निकाय के चुनाव नहीं हुए लेकिन जहां हुए वहां से भी भाजपा की जमीन खिसकी। यह उस विन्ध्य (बघेलखण्ड) की बात है जो आज भी भाजपा की प्रदेश सरकार की रीढ़ है। सत्तापलट के बाद जब मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान पहली बार रीवा आए तो उन्होंने जनता के आगे खुद को बिछा दिया यह कहते हुए कि आज मैं जो कुछ हूं यहां की बदौलत ही हूं। विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र ने 30 में से 24 सीटें भाजपा की झोली में डालीं। और शायद यही दुर्भाग्य का सबब भी बना। चंबल-ग्वालियर-बुंदेलखंड से प्रायः हर जिलों से एक-एक विधायक जीते और वे मंत्री बने। और विन्ध्य में भाजपा ने जो चेहरा सामने किया सबसे पहले उसी को खंडित कर दिया। जिन राजेन्द्र शुक्ल की अगुवाई में पिछला चुनाव लड़ा गया। उनके गृह जिले रीवा और प्रभार के जिले शहडोल सिंगरौली में भाजपा को शत-प्रतिशत की रिकॉर्डतोड़ सफलता मिली उन्हें सत्ता में आते ही वेटिंगरूम में बैठा दिया गया। चतुराई के साथ शुक्ल की काट में उमरिया की मीना सिंह को कैबिनेट में रखा गया। आदिवासी चेहरे को महत्व देना अपनी जगह ठीक है लेकिन उसे पूरा इलाका संभालने का कौशल भी चाहिए। राज्यमंत्री रामखेलावन रामनगर से भोपाल बाया अमरपाटन के दाएं-बाएं कुछ भी नहीं सूझा अबतक।

अब मूल सवाल यह कि क्या फिर विन्ध्य से भाजपा 2018 वाली उम्मीद कर सकती है..? जवाब है नहीं.. तब से अबतक में नर्मदा-सोन-टमस में बहुत पानी बह चुका है। ताजा परिणाम विन्ध्य के आहत स्वाभिमान का प्रकटीकरण है और इतिहास गवाह है कि जब-जब यहां की जनभावना को नकारा गया तब-तब ऐसा करने वालों को जवाब मिला। 1990 के चुनाव के पहले भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति रीवा में बैठी। प्रदेश के सभी दिग्गजों को नसीहत देते हुए ठाकरे जी ने कहा था- इस गुमान में मत रहो कि आगे बढ़े हो..कांग्रेस पीछे हटी है इसलिए भाजपा आगे दिख रही है। इस चुनाव परिणाम में यही नसीहत कांग्रेस के लिए भी फिट बैठती है।

(व्यक्त विचार लेखक के निजी हैं।)

अखिलेश यादव क्यों अकेले पड़ते जा रहे हैं

राज खन्ना

अखिलेश यादव दोहरे संकट से जूझ रहे हैं। पहला - उनके गठबंधन सहयोगी दूर छिटक रहे हैं। दूसरा उससे भी गहरा है आजमगढ़, रामपुर उपचुनाव की हार ने उनके परंपरागत मुस्लिम-यादव वोटबैंक में दरार डाल दी है। उपचुनावों की जीत से उत्साहित भाजपा उनके कोर वोट यादव मतदाताओं पर डोरे डालने में जुटी हुई है। सपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल स्व. चौधरी हर मोहन सिंह यादव की दसवीं पुण्यतिथि के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की हिस्सेदारी के राजनीतिक निहितार्थ बहुत गहरे हैं। चौधरी हरमोहन सिंह यादव उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने मुलायम सिंह यादव को सजातीय समाज में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुलायम सिंह यादव को इसका सदैव अहसास रहा। इस परिवार की अब भाजपा से राजनीतिक निकटता प्रधानमंत्री के पुण्यतिथि कार्यक्रम में सम्मिलित होने से समझी जा सकती है। स्व. यादव के पौत्र मोहित यादव विधानसभा चुनाव के पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं, जबकि विधानपरिषद के पूर्व सभापति उनके पुत्र सुखराम सिंह यादव की प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी से मुलाकातें हो चुकी हैं। 2012 में अखिलेश यादव के उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद से सपा की हार का सिलसिला चल रहा है। 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस से और 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन किया। दोनों ही मौकों पर उनके पिता मुलायम सिंह इन गठबंधनों के खिलाफ थे। चुनावी नतीजे निराशाजनक रहे। पार्टी हर तरफ से घाटे में रही। इन दो गठबंधनों की विफलता से सीख लेते हुए 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने छोटे दलों को साथ लेकर नई सोशल इंजीनियरिंग के जरिए सत्ता में पहुंचने की असफल कोशिश की। 2017 की 47 सीटों की तुलना में पार्टी को मिली 111 सीटों और गठबंधन सहयोगियों सहित 125 के आंकड़े ने 2024 के लिए कुछ संभावनाओं का विस्तार किया लेकिन नतीजों के साथ ही सहयोगियों से दूरियां बढ़ने लगीं।

अखिलेश यादव के गठबंधन प्रयोगों को अब तक दोहरी असफलता मिली है। एक ओर उन्हें मतदाताओं ने ठुकराया तो दूसरी ओर चुनाव पूर्व के ये गठबंधन आम तौर पर चुनाव के फौरन बाद ही बिखर गए। 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी साथ थी। जबरदस्त पराजय के साथ ही अखिलेश यादव ने कांग्रेस से तौबा कर ली। कांग्रेस ने 2019 और 2022 में उनके

नजदीक जाने की फिर पेशकश की लेकिन अखिलेश ने उनसे दूरी बनाए रखी। 2019 का बसपा के साथ उनका गठबंधन हर लिहाज से घाटे का सौदा रहा। पिता मुलायम सिंह यादव से मायावती की वर्षों पुरानी तल्खी को किनारे रखकर अखिलेश ने मायावती का साथ किया। चुनाव नतीजों में सपा को पांच तो बसपा को दोगुनी दस सीटें मिलीं। इसके बाद भी चुनाव नतीजों के फौरन बाद मायावती ने अखिलेश यादव को अपरिपक्व बताते हुए गठबंधन तोड़ दिया। 2022 में फिर वही कहानी दोहराई जा रही है। चाचा शिवपाल यादव से उनकी दूरियां सत्ता के आखिरी दिनों में सतह पर आ गई थीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में शिवपाल यादव अपनी पार्टी प्रसपा के झंडे तले मैदान में उतरे थे। बुरी तरह पराजित हुए। 2022 में परिवार की इस लड़ाई में पैबस्त लगाए गए। अपनी इकलौती सीट के साथ शिवपाल यादव सहयोगी बने। लेकिन चुनाव नतीजों के साथ खुला युद्ध शुरू हो गया।

अखिलेश यादव के इन गठबंधनों की विफलता के कारण क्या हैं? वे मतदाताओं द्वारा तो ठुकराए ही जाते हैं और साथ ही पराजय के बाद की चुनौती क्यों नहीं झेल पाते? वजहों की राजनीति के जानकार अपने तरीके से व्याख्याएं करते रहे हैं। बेशक उन्होंने पार्टी पर कब्जे की लड़ाई में अपने पिता को परास्त कर दिया लेकिन इसी के साथ वे पिता के जमीनी अनुभवों से वंचित हो गए। घर की लड़ाई में जीत के लिए अखिलेश यादव ने अपने पिता के खास सहयोगियों को दरकिनार कर दिया। उनका अपना व्यवहार भी दूरियां बढ़ाने में मददगार बन रहा है। वे मुलायम सिंह यादव की नसीहतों को लगातार नजरंदाज करते रहे हैं। मना करने के बाद भी उन्होंने 2017 में उत्तर प्रदेश में बेहाल कांग्रेस का साथ किया। हार ने गहरे घाव दिए तो दूर छिटक लिए। पिता मुलायम सिंह यादव के कटु अनुभवों को भूलकर मायावती का साथ किया और मायावती ने उन्हें इस्तेमाल किया और फिर झटक दिया।

2022 के विधानसभा गठबंधन की कहानी थोड़ी अलग है। इस बार अखिलेश यादव सत्ता में वापसी को लेकर कुछ ज्यादा ही खुशफहमी पाले हुए थे। चुनाव पूर्व गठबंधन के सहोगियों और अन्य दलों के असंतुष्टों से उन्होंने इस अंदाज में इतने वायदे किए ,जिन्हें सत्ता मिलने पर ही पूरा किया जा सकता था। वह मिली नहीं। लेकिन राज्यसभा और विधान परिषद की चंद सीटें उनके पास थीं। जयंत चौधरी को उन्होंने राज्यसभा भेज दिया। इसी के चलते रालोद फिलहाल उनके साथ है। रूठे हुए आजम खान को मनाने के लिए कपिल सिब्बल को भी राज्यसभा पहुंचाया। विधान परिषद के लिए भी उनकी पसंद का ख्याल रखा। रामपुर की लोकसभा सीट उनकी मर्जी के उम्मीदवार का सौंप दी। आजम संतुष्ट हैं? ओम प्रकाश राजभर की अखिलेश यादव को एसी से बाहर निकलने की सीख के बाद आजम खान का तंज था, "मैंने भी उन्हें धूप में नहीं देखा।" दिलचस्प है कि सफाई आजम नहीं उनके बेटे अब्दुल्ला दे रहे हैं कि आजम साहब ने यह बात राजभर के लिए कही थी। शिवपाल यादव से उनका साथ दोनो की मजबूरी या परिवार के दबाव की देन था। शिवपाल यादव को सपा में पुरानी जगह चाहिए। इस कांटे को अखिलेश क्यों साथ रखना चाहेंगे? पूर्वांचल के कुछ जिलों में सजातीय वोटों के जरिए ओम प्रकाश राजभर ने सौदेबाजी की अच्छी ताकत बटोरी है। वे अकेले जीत नहीं सकते लेकिन कुछ जिलों में हार-जीत में निर्णायक बन सकते हैं। वे अपने बेटे को एम एल सी बनवाना चाहते थे। अखिलेश ने उन्हें निराश किया। नाराजगी में वह दूर हो गए।

2024 की चुनौती नजदीक है और अखिलेश अकेले पड़ते जा रहे हैं। वे अकेले भाजपा की चुनौती का सामना करने की स्थिति में नहीं हैं, इसका सबूत लगातार चार चुनावी नतीजे हैं। उनकी छवि एक ऐसे नेता की बन रही है, जिसके सत्ता पर हमले ट्विटर और बयानों तक सीमित माने जा रहे हैं। साथ छोड़ने वाले उन पर खुलकर आक्षेप लगा रहे हैं तो समर्थक आपसी बातचीत में उनके रवैए को लेकर निराश हैं। आजमगढ़ और रामपुर के उपचुनाव में प्रचार से दूर रहने के लिए भी उंगलियां उठ रही हैं। जिसे जहां सम्मान मिले वहां वह जाए, का उनका अंदाज राजनीतिक नजरिए से अनुचित माना जा रहा है। राष्ट्रपति चुनाव में राजभर और शिव पाल सिंह यादव का मुर्मू का साथ भले उन्हें न परेशान करे लेकिन पार्टी के अन्य पांच विधायकों की क्रास वोटिंग खतरे की घंटी है। मुस्लिमों के मोहभंग की खबरें और भाजपा की यादवों पर डोरे डालने की गंभीर कोशिशें सपा के लिए 2024 में बड़ी परेशानियां खड़ी कर सकती हैं। क्या अखिलेश उन्हें लेकर गंभीर हैं? उनकी कार्यशैली तो इस पर सवाल खड़ी करती है।

(व्यक्त विचार लेखक के निजी हैं।)

दलित टैलंट क्यों नहीं उभर पाया

दलित इतिहास, संस्कृति, साहित्य और अस्मिता के संदर्भ में आज भी बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर शिद्दत के साथ क्यों याद किए जाते हैं? क्यों वे दलित साहित्य और आंदोलन के इतिहास के ग्रंथों के पृष्ठों पर विशेष रूप से पढ़े-लिखे जाते हैं? क्यों दलित साहित्यकारों के लिए प्रेरक हैं? इन सबका मुख्य कारण है, आंबेडकर ने पढ़ने-लिखने, अध्ययन करने पर जितना ध्यान दिया, उतना दुनिया के कम ही महापुरुषों ने दिया होगा। उन्होंने समाज को पहले गहराई से जाना और महसूस किया, फिर समाज बदलने पर विचार किया। मैं अगर कहूं कि आंबेडकर ने जितना पढ़ा और लिखा, उतना उनके बाद के सभी दलित राजनीतिज्ञों ने मिलकर भी नहीं पढ़ा-लिखा होगा तो गलत नहीं होगा।

मोहनदास नैमिशराय

आखिर आजाद भारत में पैदा हुए दलित नेताओं के भीतर वैसी भूख और बेचैनी क्यों नहीं पैदा हुई? साहित्य और संस्कृति के प्रति उन्हें लगाव क्यों नहीं हुआ? यहां तक कि दलित लेखकों से वे दूरी क्यों बनाए रखे? क्यों नहीं उन्होंने उनके बीच जाकर शिक्षा, साहित्य, पत्रकारिता के महत्वपूर्ण सवालों पर विचार किया? सवाल यह भी है आखिर कितने दलित नेताओं ने मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के बाद पीछे मुड़कर देखा। इतिहास और राजनीति के हर मोड़ पर ऐसे तथाकथित आंबेडकरवादी जरूर मिलेंगे, जो आंबेडकर जैसा बनने की चाह में आंबेडकर के खिलाफ ही अपनी-अपनी राजनीतिक यात्रा पूरी करते नजर आते हैं। हालांकि कुछ ने समाज के हित में प्रयास भी किए। कुछ ने साहित्य और साहित्यकारों से रिश्ते भी बनाए, पुस्तकें भी लिखीं और पत्र-पत्रिकाओं का संपादन/प्रकाशन तक किया। लेकिन हजारों की संख्या में शेष दलित नेताओं ने क्या किया?

सत्तर, अस्सी और नब्बे के दशक न सिर्फ इतिहास को संग्रहालयों में जाकर जांच-पड़ताल करने, बल्कि सनातनी राजनीति और राजनीतिज्ञों के खिलाफ विद्रोह करने का भी रहा है। उस दौर में जयप्रकाश नारायण, मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडिस, सुरेंद्र मोहन, शरद यादव, स्वामी अग्निवेश, शरद पवार और बाबा अढ़ाव जैसे सवर्ण समुदायों से आने वाले नेता भी दलित सवालों पर कह, सुन और लिख रहे थे। दूसरी तरफ उनके साथ या उनसे इतर दलित नेताओं में बाबू जगजीवनराम, बी.पी. मौर्य, कांशीराम, रामविलास पासवान, कपूर्री ठाकुर, भोला पासवान शास्त्री, जगदेव प्रसाद, प्रो. योगेंद्र कवाड़े, आर.डी. भंडारे, आर.एस. गवई, माता प्रसाद, चांद राम आदि भी संसद और विधानसभाओं में दलित समस्याओं पर जोरदार तरीके से अपनी बात रख रहे थे।

उस दौर में रामविलास पासवान तो मुखर दलित नेता थे। वह 'न्यायचक्र' हिंदी मासिक के संपादक भी थे। साथियों से मिलने में उन्हें कोई गुरेज नहीं थी। पढ़ते-लिखते भी थे। उनसे भी कहीं आगे कांशीराम थे, जिन्होंने 'चमचा' नाम से किताब भी लिखी। वह पहली ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने लगभग दस भाषाओं में पत्र-पत्रिकाओं का संपादन और प्रकाशन किया था। यही नहीं उन्होंने दलित कवियों, लेखकों, नाट्यकारों की मदद से जन-जागरण जत्था भी बनाया था। बी.पी. मौर्य इस क्षेत्र में कुछ नहीं कर सके, सिवाय सत्ता के साथ अपने संबंध बनाने के। माता प्रसाद साहित्य संबंधी मामले में अपवाद रहे। शाहगंज (उ.प्र.) विधानसभा क्षेत्र से 1957 से 1974 तक पांच बार विधायक और 1980 से 1992 तक दो बार विधानपरिषद के सदस्य रहे। 1993 से 1999 तक वह अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल रहे। दलित साहित्यकारों से उन्होंने गहरे संबंध रखे।

जहां तक बाबू जगजीवनराम की पढ़ने-लिखने में रुचि रखने और दलित साहित्यकारों से मिलने-जुलने की बात है, वह इस बारे में सजग थे। समाज के लोगों से मिलते-जुलते भी थे और दलित ही नहीं सवर्ण लेखकों तथा पत्रकारों को भी घर पर (कृष्ण मेनन मार्ग) बुलाते थे। विशेष रूप से दलित साहित्य अकादमी के साथियों को भोजन पर आमंत्रित करते थे। वह स्वयं भोजन परोसते थे। विशेष रूप से संत रविदास से प्रभावित थे। उनका एक और अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य था लिंक रोड (करोल बाग) पर बाबू जगजीवन विद्या भवन बनाना। एक शानदार इमारत, जिसमें लगभग पचास कमरों के साथ सभागृह और लायब्रेरी थी। उद्देश्य था दलित समाज के विद्यार्थियों को आईएएस की परीक्षा हेतु तैयारी कराना।

कांशीराम की विरासत के साथ भी ऐसा ही हुआ। हिंदी के साथ अन्य भाषाओं में जो दस पत्र-पत्रिकाएं शुरू हुई थीं, एक-एक कर बंद हो गईं। प्रेस लगाकर बहुजन मीडिया की स्थापना करने का जो कांशीराम का सपना था, वह भी पूरा नहीं हुआ।

चित्रकूट के घाट से

गहि न जाय अद्भुत बानी

भरत जी के शब्द सुगम हैं। किन्तु उनमें भाव अगम हैं। सुन्दर और कोमल होने पर भी वही कठोर हैं। अक्षर सीमित हैं, पर अर्थ असीम । जैसे मुख का प्रतिबिम्ब दर्पण में दिखता है और दर्पण अपने हाथ में है, फिर भी वह प्रतिबिम्ब पकड़ा नहीं जा सकता। इसका स्पष्ट भावार्थ यह है कि श्री भरत की वाणी मुख के सदृश है, जिसका प्रतिबिम्ब स्वच्छ दर्पण रूप हृदय वाले श्री वसिष्ठ, महाराज जनक, महामुनि विश्वामित्र जी, के हृदय में पड़ रहा है। अभिप्राय यह है कि ये लोग भरत-भाषण के भाव को हृदयंगम कर चुके हैं। किन्तु जैसे कोई उस प्रतिबिम्ब को पकड़ना चाहे, भले ही दर्पण हाथ में हो, पर पकड़ नहीं पाता, वही दशा इस समय इन महापुरुषों की है। अधिकारी हृदय प्राप्त होना ही मानो उनके साथ में दर्पण होना है। किन्तु भरत जी ने निर्णय के लिए उन लोगों को ही विचार करने की सम्मति दी । स्वयं अपनी 'पराधीनता' का निर्देश कर बता देते हैं कि मेरा कोई स्वतन्त्र निर्णय नहीं। प्रभु का निर्णय ही मेरा निर्णय है। हां, आप लोग स्वतन्त्र हैं। अतः जो उचित समझें, वही प्रस्ताव प्रभु के यहां प्रस्तुत करें। वे स्वयं निर्णय करने की स्थिति में उसे मान ही लें, यह भी निश्चित नहीं। क्योंकि अपने को 'पराधीन' बताकर निर्णय मानने के बन्धन से मुक्त हो जाते है। ऐसी परिस्थिति में उनके भाषण से निर्णय करना और भी असम्भव हो गया। यही प्रतिबिम्ब का न पकड़ पाना है। वास्तव में श्री भरत ने जो बातें कही हैं, वे सुगम आगम ही हैं। एक ओर वे प्रेम और सेवा का विरोध बताते हैं। दूसरी ओर लोगों के प्रेम की रक्षा की बात करते हैं। स्वयं में निर्णय की अयोग्यता बताते हैं और 'राम-रुचिरक्षा' का भी संकेत कर देते हैं। सर्वसम्मति से सर्वहित से निर्णय करने का अनुरोध करते हैं। अपने को पराधीन बताकर उससे तटस्थ रहते हैं। अतः कहना ही पड़ेगा- गहि न जाय अस अद्भुत बानी।

- पूज्यपाद पं. रामकिंकरजी महाराज

ततारपुर में अवैध शराब बनाने की फैक्ट्री में मुखबिर की सूचना पर छापा मारकर अवैध शराब का बड़ा जखीरा जब्त किया है.

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उपखण्ड छेत्र के थाना ततारपुर के ग्राम ततारपुर में अवैध शराब निर्माण एवं भंडारण निषेध कार्रवाई अभियान के तहत आबकारी थाना पुलिस खैरथल ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए अवैध शराब बनाने की फैक्ट्री को मुखबिर की सूचना पर छापा मारकर अवैध शराब का बड़ा जखीरा जब्त किया है. अवैध शराब शराब निर्माण एवं भंडारण निषेध कार्रवाई अभियान के तहत आबकारी थाना पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है. आबकारी थाना प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि

क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण एवं उसके भंडारण माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई अभियान के लिए जिला आबकारी अधिकारी उमेदी लाल मीणा, सहायक आबकारी अधिकारी निरोधक दल अलवर के निर्देशानुसार अवैध शराब निर्माण भंडारण एवं उसकी पहचान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक टीम का गठन किया गया. जिसमें प्रभारी आबकारी अधिकारी निरोधक दल आबकारी थाना खैरथल नें मय जाब्ता के सिपाही जगमाल सिंह, रमेश कुमार, रतन सिंह, रामचंद्र, पप्पू राम, लख्मीचंद, सुगन सिंह, रामा नन्द के साथ मुखबिर की सूचना के आधार पर पवन कुमार व कृष्ण कुमार पुत्र ख्याली राम यादव निवासी ततारपुर थाना ततारपुर जिला अलवर के ग्राम ततारपुर स्थित कब्जे शुदा पॉल्ट्री फॉर्म पर दबिश दी. आबकारी पुलिस टीम की कार्रवाई के दौरान पॉल्ट्री फॉर्म से दो ड्रमों में भरी हुई करीब 400 लीटर अवैध स्प्रिट, 900 अनप्रयुक्त खाली कांच के पव्वे, करीब आठ हजार अनप्रयुक्त देसी मदिरा रैपर (लेबल) 13600 अनप्रयुक्त ढक्कन, तथा एक पैकिंग मशीन बरामद किए. दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए जो पकड़ में नहीं आए. दोनों अभियुक्तों के खिलाफ नियमानुसार प्रकरण दर्ज किया गया तथा अग्रिम कार्रवाई प्रारंभ की गई है.

सरपंच संघ ने पंचायत समिति में दिया धरना, तहसीलदार व बीडीओ को सौपा ज्ञापन

मरूधर हिन्द/अराई/प्रकाश भागनानी

अराई सरपंच संघ ने अपनी मांगों को लेकर बुधवार को पंचायत समिति में धरना प्रदर्शन किया। सरपंच संघ अराई के अध्यक्ष भागचंद चौधरी ने बताया कि पूर्व में सरकार के साथ हुए समझौते पर सरकार वादाखिलाफी कर रही और मांगे पूरी नहीं की जा रही है जिसको लेकर आज तहसीलदार हनुमान प्रसाद व बीडीओ पुरूषोत्तम पारीक को

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है तथा 1 अगस्त को जिला मुख्यालय पर ज्ञापन दिया जायेगा जबकि मांगे पूरी नहीं हुई तो 5 अगस्त को जयपुर में प्रदर्शन किया जायेगा। इस दौरान देवपुरी सरपंच हरिराम चौधरी, अराई सरपंच रामस्वरूप नायक, दादिया सरपंच सबिता कंवर, छोटा लाम्बा सरपंच कानाराम मेघवंशी, मण्डावरिया सरपंच राजबाला सकलेचा, सिरोंज सरपंच रामलाल मीणा, बोराडा सरपंच भोजराज गुर्जर, कालानाडा उप सरपंच रणजीत सिंह, सहित अन्य सरपंच भी मौजूद थे

राजीविका केन्टीन एवं डेयरी बूथ का शुभारम्भ

मरूधर हिन्द/अराई/प्रकाश भागनानी

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के सहयोग से महिला स्वयं सहायता समूह ने राजीविका केन्टीन एवं डेयरी बूथ का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम की शुरूआत पंचायत समिति प्रधान सीता देवी पूनिया, शैतान पूनिया, विकास अधिकारी पुरूषोत्तम लाल शर्मा, जिला परियोजना प्रबंधक ने फीता काटकर की। ब्लॉक परियोजना प्रबंधक कैलाश चौधरी ने बताया कि महिलाओं की आर्थिक स्थिती सुदृढ़ करने और आजीविका संवर्धन के लिए मुहिम चलाई जा रही है। इसी के तहत अराई के राधे-राधे महिला स्वयं सहायता को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि केन्टीन एवं डेयरी का संचालन समूह की महिला सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। केन्टीन में डेयरी प्रोडक्ट सहित खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाए जायेंगे। चौधरी ने बताया कि केन्टीन से महिलाओं की आर्थिक स्थिती मजबूत होगी साथ ही महिलाओं में आत्मविश्वास में वृद्धि होगी एवं परिवार को संबल मिलेगा। इस अवसर पर सरपंच रामस्वरूप नायक, कलस्टर इंचार्ज पप्पू लाल बैरवा, मिथलेश जाट, सुमित्रा चौधरी, राजेश कंवर सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिव मित्र मंडल कावड़ियों ने हनुमान बगीची शिवालय में चढ़ाई डाक कावड़

गौ सेवक रामसिंह बावरिया ने 80 घंटे में अकेले कावंड़ चढ़ाकर बनाया रिकॉर्ड

कठूमर । दिनेश लेखी।

श्रावण मास में हरिद्वार से गंगाजल लाकर पूरे देश में कावड़िए अपने अपने ग्राम कस्बे शहर के शिवालयों में गंगा जल चढ़ाकर भोलेनाथ की आराधना करते हैं। देश मे कावड़ यात्रा ने इस वर्ष पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया 2022 में करीब 3 करोड़ 80 लाख कावड़िए कावड़ यात्रा में शामिल हुए। अलवर ग्रामीण विधानसभा के ग्राम बहादुरपुर से भी कई डाक कावड़ हरिद्वार से गंगाजल लाने के लिए गई। जिनमे शिव मित्र मंडल बहादुरपुर के 35 सदस्यों ने हरिद्वार से बिना अन्न ग्रहण किए 33 घंटे में बगीची वाले हनुमान जी महाराज के मंदिर प्रांगण स्थित शिवालय पर कावड़ चढ़ाई। वही गौशाला में गौसेवक रामसिंह बावरिया ने अकेले ही 80 घंटे में हरिद्वार से गंगाजल लेकर दौड़ते हुए पैदल यात्रा करते हुए सुबह 8ः15 बजे शिवालय में शिवलिंग पर हरिद्वार से लाया हुआ गंगाजल चढ़ाया। जो कि व्यक्तिगत रूप से अकेले ही 80 घंटे में कावड़ लाने का नया रिकॉर्ड है। कावड़ चढ़ाने के बाद महिलाओं ने भोलेनाथ के भजन पर नृत्य करते कीर्तन करते हुए खुशी से झूम उठे। इस अवसर पर शिव मित्र मंडल के सदस्य छगन सैनी, गोवर्धन सिंधी, रमेश सैनी, अशोक सिंधी, प्रवीण सौलंकी, सुनील , सोनू ठाकुर सहित सेंकडो की संख्या में ग्रामवासी महिलाएं व पुरूष मौजूद रहे। इस अवसर पर खीर , पूरी सब्जी का भंडारा भी आयोजित किया। जिसमें करीब 2 से 3 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

मुण्डनवाडा खुर्द गौशाला से गोवंश की हड्डियां ले जा रहे ठेकेदार के वाहन को रोकने से उपजे विवाद पर गौशाला पहुंचा प्रशासन

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उपखण्ड छेत्र की करनीकोट ग्राम पंचायत के ग्राम करनीकोट वमुण्डनवाडा खुर्द के मध्य स्थित बाबा खेतानाथ गौशाला मुण्डनवाडा खुर्द के मृत गोवंश की हड्डियों के निस्तारण वास्ते ठेकासुदा व्यवस्था के तहत वाहन में भर कर ले जाई जाने को अवैद्य मानकर कुछ युवकों द्वारा वाहन को रुकवाकर हंगामा शुरू कर दिया गया जिसकी सूचना पाकर वहा पहुंचे गौशाला प्रबंधन व करनीकोट गांव के ग्रामीणों के बीच तकरार हुई। बढ़ी तकरार की सूचना मिलने पर मुण्डावर उपखण्ड अधिकारी पंकज बड़गुर्जर, तहसीलदार रोहिताश्व पारीक, मुंडावर पुलिस थाना जाब्ता सहित सोड़ावास चौकी इंचार्ज एएसआई राजेश सहित गौशाला पहुंचे। जहां प्रबंधन से एसडीएम बड़गुर्जर ने मृत गोवंश के निस्तारण प्रक्रिया व्यवस्था के आवश्यक दस्तावेजो कि जांच की। जिसमे तहसील स्तर पर ठेका छोड़े जाने व संबंधित ठेकेदार द्वारा अपनी व्यवस्था अनुरूप ले जाना मानते हुए नियमानुसार प्रक्रिया को सही ठहराया। गोवंश की हड्डियो को लेकर हंगामा कर रहे मौके पर मौजूद ग्रामीणों को प्रशासन ने जानकारी देते हुए नियमानुसार सही बताया।

उपखण्ड अधिकारी पंकज बडगुजर ने बताया कि 8 अगस्त को 40 गांवो के ग्रामीणों की प्रशासन की मौजूदगी में बैठक की जाएगी जिसमे गौशाला संचालन कमेटी पदाधिकारियों व करनीकोट ग्रामपंचायत के ग्रामीणों के बीच कई दिनों से चली आ रही खींचतान के बीच होती शिकायतबाजी को लेकर प्रशासन द्वारा बाबा खेतानाथ गौशाला मुण्डनवाडा खुर्द में 8 अगस्त को सुबह 10 बजे आसपास के 40 गांवो के ग्रामीणों की बैठक बुलाने व बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी रहने की भी बात कही गई। बैठक में ग्रामीणों की सहमति से ही वर्तमान कमेटी बरकरार रखने अथवा नई कार्यकारिणी गठित करने सहित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की जाने की बात कही गई। एसडीएम द्वारा गौशाला के आवश्यक दस्तावेजों का अवलोकन भी किया। गौशाला पहुंचने वालों में मुंडावर उपखण्ड अधिकारी पंकज बड़गुर्जर, तहसीलदार रोहिताश्व पारीक, कानूनगो नरेश,सोड़ावास चौकी इंचार्ज ए एस आई राजेश, सुरेश मेहरा, मगनलाल सैनी, पटवारी शेरसिंह यादव, पटवारी उर्मिला देवी,पटवारी राजेन्द्र, बहादुरसिंह, , राजवीर सिंह के अलावा गौशाला कमेटी जिला संरक्षक जगमाल सिंह यादव, नाघोड़ी गौशाला कमेटी अद्यकक्ष बलबीरसिंह यादव, सरपंच दिनेश यादव, कप्तान प्रहलाद सिंह यादव, लेखराम पीटीआई, सूबेदार धर्मपाल यादव, सोमदत्त मेहता, करनीकोट सरपंच प्रतिनिधि कैलाश शर्मा, पूर्व सरपंच पति अभयसिंह यादव, उपसरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश जागीरदार, ठेकेदार हुकमसिंह, श्रवण सिंह शेखावत, पंच संदीप, पंच मुकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व जिलेभर की गौशाला संचालक पदाधिकारी मौजूद थे।

वीर शहीद क्रांतिकारी समिति अलवर द्वारा मनाया गया कारगिल विजय दिवस

मरुधर हिन्द/ दीक्षित कुमार

अलवर। मंगलवार को वीर शहीद क्रांतिकारी समिति एवं सर्व समाज के युवाओं द्वारा रेलवे स्टेशन स्थित क्रांति जनक मंगल पांडे तिराहे पर कारगिल विजय दिवस मनाया गया । वीर शहीद क्रांतिकारी समिति के संयोजक जगराम पहलवान ने बताया वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध जो कि पाकिस्तान के साथ था और 60 दिन तक चला था दिनांक 26 जुलाई को वह युद्ध संपन्न हुआ इसलिए 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है आज सर्व समाज के साथ शहीद

विकास समिति के सदस्यों द्वारा सभी वीर सपूतों को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया एवम कैंडल जलाकर 2 मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई । वीर शहीद क्रांतिकारी समिति के सचिव एवं समाजसेवी आकाश मिश्रा ने बताया इस अवसर पर युवाओं द्वारा गौरवशाली भारत माता जयकार लगाए गए एवं वीर शहीद अमर रहे के जयकारे लगाए एवम विचार गोष्ठी के माध्यम से वीर शहीदो को याद किया । इस अवसर पर युवा ब्राह्मण सभा परिवार से शिव चरण कमल, डॉ विनोद शर्मा, जगराम पहलवान, समाजसेवी आकाश मिश्रा, सोनू पंडित, अविनाश इंडियन ,रणवीर चौधरी ,पुष्पेंद्र अवाना, विजय यादव ,बेदू पहलवान, रामवीर सिंह चौहान,देवधर, जेपी यादव सुनील , सचिन ,धीरज, गिरधारी छोटू, अंशु, धर्मेंद्र चौधरी, शेर सिंह चौधरी, मदन सैनी, विनोद सैनी, हरिओम मीणा ,अमन चौहान, सौरभ नरूका चैन सिंह चौहान आदि बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे ।

सरपंच संघ सायला ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जालोर/सायला। सायला में सरपंच संघ ने सरकार द्वारा मांगों पर वादाखिलाफी और आदेश जारी नहीं करने पर सरपंच संघ के भंवर सिंह बलावत की मौजूदगी में मुख्यमंत्री के नाम सायला उपखंण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सायला सरपंच संघ अध्यक्ष भंवर सिंह बलावत ने बताया कि सरकार द्वारा सरपंच संघ के लिखित समझोते पर वादाखिलाफी और मांग पत्र पर आदेश जारी नहीं करने से आक्रोशित सरपंच संघ सायला ने बुधवार को ग्राम पंचायतों की ग्राम सभाओं का बहिष्कार किया। सरपंच संघ सायला पंचायत समिति मुख्यालय पर एकत्रित हुए। इसके बाद उपखंण्ड अधिकारी आहोर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि ?पंचायती राज विभाग और सरकार के द्वारा सरपंच संघ से पंचायती राज मंत्री के साथ 21 मार्च में मांग पत्र पर समझौता किया गया था, लेकिन सरपंच संघ के प्रतिनिधि मंडल द्वारा बार -बार निवेदन के बाद भी जिन मांगों पर सहमति बनी थी। उनके आदेश भी जारी नहीं किए जा रहे हैं। नागौर दौरे के वक्त पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा के द्वारा मनरेगा में लगाएं गए अनियमितताएं घोटालों के आरोपों के कारण भी सरपंच संघ आहत होकर भारी निराशा एवं आक्रोश व्याप्त है। जिसके कारण आहत होकर सरपंच संघ के द्वारा सरकार का ध्यान आर्कषण के लिए आंदोलित करने का निर्णय किया गया है। साथ ही सरपंच संघ के संलग्न मांग पत्र पर सकारात्मक आदेश जारी करवाने का मांग की गई। अन्यथा सरपंच संघ द्वारा किए जाने वाले आंदोलन की समस्त जिम्मेदारी सरकार की होगी। ज्ञापन के दौरान सरपंच अध्यक्ष सरपंच संघ सायला भवरसिंह बालावत, उपाध्यक्ष सोहनलाल गर्ग सरपंच माण्डवला, सरपंच उम्मेदाबाद आशा कुमारी, सरपंच एलाना गीता कुमारी, सरपंच तलियाना हस्तीमल, सरपंच सांफड़ा हुकम सिंह, सरपंच तीखी किरण कंवर सहित जनप्रतिनिधि नाथूसिंह तीखी सहित उपखंण्ड क्षेत्र के सरपंच मौजूद रहे।

मिस एन्ड मिसेज लहरिया क्वीन सीजन 3 के फोटोशूट व लुक लॉन्च एक्टिविटी का हुआ आयोजन

मरूधर हिंद

जयपुर। राजस्थान की विरासत व धरोहर को समेटे परिधानों व जूलरी में मॉडल्स का फर्स्ट लुक हुआ लॉन्च।

लुक लॉन्च में टैलेंट व ट्रेडिशनल कल्चर का दिखा नजारा, पहली झलक हुई रिवील।

एथनिक ऑउटफिट्स, हैवी जूलरी, ट्रेडिशनल मेकअप का टचअप व मॉडल्स के चेहरों पर खास चमक। मौका था चित्रकूट स्थित फैदर वेट फिटनेस क्लब में इंडियन वुमन क्लब, फैदर वेट फिटनेस प्राइवेट लिमिटेड और एलिगेंट आई म्यूजिक के सहयोग द्वारा आयोजित किए जा रहे नेशनल लेवल लहरिया फेस्टिवल मिस एन्ड मिसेज लहरिया सीजन 3 की लुक लॉन्च एक्टिविटी का। जिसमें राजस्थान की सभ्यता, संस्कृति, पहनावे को समेटे मॉडल्स ने पूरे जोश व जूनून के साथ अपने लुक्स को शोकेस किया।

शो डायरेक्टर डॉ. अनिता शर्मा और संगीता जैन ने बताया की एथनिक व ट्रेडिशनल थीम को मिला कर इस लुक

लॉन्च को एक भव्य रूप दिया गया है। आज सम्पन्न हुए इस प्रोमो शूट व लुक लॉन्च का उद्देश्य ट्रेडिशन, कल्चर व वुमन एम्पावरमेंट को प्रमोट करना है। इस लुक लॉन्च में ज्वेलरी ज्योति दिनेश द्वारा रिप्रेजेंट किया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि फिनाले इवेंट में पूरे देशभर से फीमेल कैटेगरी की 18 से 58 वर्ष की 35 मॉडल्स हिस्सा लेंगी। ग्रैंड इवेंट से पहले सभी पार्टिसिपेंट्स को ग्रूमिंग व फिटनेस सेशन, ब्यूटी टिप्स, न्यूट्रिशन टिप्स, मेडिटेशन, योगा, मेकअप, रैम्प वॉक, पर्सनेलिटी डेवलपमेंट इत्यादि की ट्रेनिंग दी जाएगी। मधु यादव, अभिषेकता तंवर और प्रेरणा सैनी को इस इवेंट का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। 7 अगस्त को महीने इस फेस्टविल का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया जाएगा।

कुशलगढ़ ब्लॉक सरपंच संघ के सभी सरपंचों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम कल्पित शिवरान को ज्ञापन सौंपा

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। सरपंच संघ ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश पटेल ने बताया की मार्च में विधानसभा के घेराव के समय सरपंच संघ की मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था। लेकिन बाद में सरकार ने किसी भी मांग को पूरा नहीं किया है। सरपंच संघ जिला उपाध्यक्ष राकेश मईडा ने बताया कि पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा ने नागौर दौरे के समय जिस प्रकार से नागौर में जांच के आदेश दिए हैं। वह सरपंच संघ व पंचायती राज पर एक प्रकार से बहुत बड़ा कलंक है। अतः अब सरपंच संघ

की सर्वप्रथम मांग यह है की पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा को मंत्री पद से हटाया जाए और अन्य मांगे जयपुर में वादे किए थे वो सरकार उन मांगों को मानले। जयपुर में 5 अगस्त को महापड़ाव की तैयारियां शुरू कर दी गई है।ज्ञापन देते समय चोखवाडा सरपंच बहादुर जी, देवदासाथ सरपंच रंगजी भाई,दरो बढ़िया सरपंच साहब प्रकाश जी सिंघाड़ा, बड़वास सरपंच मकना भाई,भगतपुरा सरपंच नारिया जी, मोकामपूरा सरपंच नारजी भाई, महुडा,खेड़पुर,बावलियापड़ा, ऊकाला सहित और अन्य सरपंच मौजूद रहे।

बाबा के आत्मदाह को लेकर सांसद ने की गृह मंत्री से मुलाकात

मरुधर हिंद /आमिर खान कामां

कामां- ब्रज के दिव्य पर्वतो आदिबद्री व कनकांचल पर्वत से अवैध खनन को बंद कराने की मांग को लेकर आत्मदाह करने बाले बाबा बिजयदास के संबंध में भरतपुर सांसद रंजीता कोली ने गृह मंत्री अमित शाह व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मुलाकात की। सांसद ने ग्राम पसोपा में संत समाज द्वारा कनकाचल तथा आदिवद्री पर्वतों के अवैध व वैधखनन को बंद कराने को लेकर भले ही राजस्थान सरकार द्वारा मंजूरी दी हो परन्तु पूर्ण रूप से खनन बंद करने के लिए कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। जबकि कामां व पहाडी में राजनीतिक संरक्षण में काफी संख्या में अवैध खनन किया जा

रहा है जिसकी मैं कई बार आवाज उठा चुकी हूं। आदीबद्री तथा कनकांचल पर्वतों से ही खनन बंद करने से कुछ नहीं होगा जिस प्रकार कामां व पहाडी में स्थानीय विधायक व मंत्री जाहिदा खान के संरक्षण में उनके परिचितों तथा परिवारीजनों द्वारा अवैद्य खनन किया जा रहा है वह भी पूर्ण रूप से बंद होना चाहिए तभी पर्वतों को बचाया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर ब्रज के दिव्य पर्वतो को वन क्षेत्र घोषित कराने की मांग को लेकर संत विजय दास द्वारा किए गए आत्मदाह के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा गठित की गई चार सदस्यीय कमेटी ने धरना स्थल गांव पसोपा ,आदिबद्री व कनकांचल पर्वतो का दौरा रिपोर्ट तैयार की टीम ने साधु संतों से मुलाकात करने के बाद तैयार की गई रिपोर्ट को दिल्ली जाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपा और मामले के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम आजाद की मनाई पुण्यतिथि

मरुधर हिंद /आमिर खान कामां

कामां। मिसाईल मेन पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम आजाद की पुण्यतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष याकूब खान राजपूत के नेतृत्व में मनाई गई। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें याद किया कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष याकूब खान ने कहा कि डा.एपीजे अब्दुल कलाम

एक महान वैज्ञानिक थे और बिल्कुल गरीब परिवार में जन्म लिया बचपन से ही राष्ट्रभक्ति विचारधारा होने के कारण अपने जीवन में संकल्प लिया और लक्ष्य को प्राप्त किया और भारत के एक बहुत बड़े वैज्ञानिक बने जिनको मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है कलाम जी भारत देश को वह ताकत दे गए जिसके लिए उन्हें सदा याद किया जाएगा सदा याद किया जाएगा7इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अफजल खान,अयूब खान ,हाजी लाल खॉन,शौकत खान, आरिफ खान, डॉक्टर दीन मोहम्मद, नूरानी खान ,कयूम सिंह व हरिओम सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

500 वर्ष प्राचीन श्री विट्ठलराय मन्दिर में एक शाम नन्दन के नाम भजन संध्या का हुआ आयोजन

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा नगर के 500 वर्ष प्राचीन श्री विट्ठलरायजी मन्दिर पर श्री हनुमत चरित्र प्रचार समिति के तत्वावधान में पण्डित देवकीनन्दन जी जोशी की ग्यारहवीं पुण्यतिथि पर एक शाम नन्दन के नाम भजन संध्या का आयोजन हुआ।जिसमें किंकर कपिल जोशी, गजेन्द्र पण्ड्या, माधव जोशी, हितेन्द्र आचार्य, चन्द्रकान्त कंसारा, अमृतलाल सनाढ्य,

डॉ.मुकेश शर्मा, विष्णु कंसारा, अशोक पालीवाल, लोकेन्द्र पुरोहित, गिरीश जोशी, हितेश वैष्णव, देवेन्द्र दोसी एवं हरीश पंचाल ने पण्डित जी रचित भजनों का गायन किया । मोहित जायसवाल व मन भावसार ने ढोलक पर एवं संजय जोशी व राजेन्द्र वैष्णव ने मंजीरे पर संगत दी । आयोजन में पुजारी मनीष त्रिवेदी, विमला देवी, दिव्यप्रसाद शर्मा, रीना शर्मा, रंजीता व्यास, अनिल भट्ट, राधेश्याम पालीवाल, दीपक भावसार, मुकेश पंचाल, दर्पण पालीवाल, महेन्द्र भावसार, कल्पना जोशी, कल्पेश जोशी एवं अन्य भक्तजनों का सहयोग एवं सानिध्य प्राप्त हुआ । श्री हनुमत चरित्र प्रचार समिति के संस्थापक किंकर कपिल जोशी ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य सत्संग के साथ ही इस तरह के प्राचीन किन्तु अप्रचलित मंदिरों की तरफ लोगों को आकृष्ट करना है।किंकर कपिल जोशी संस्थापक श्री हनुमत चरित्र प्रचार समिति, बांसवाड़ा ने दी।

20 वें निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर में 182 रोगियों की हुई जांच

मरुधर हिंद /आमिर खान कामा

कामां-सकल दिगंबर जैन समाज कामां के तत्वाधान में इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय गुरुग्राम हरियाणा के सहयोग से कपूरचंद जैन कानूनगो के संयोजकत्व में 27 जुलाई को कोट ऊपर स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के प्रांगण में 20 वें निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। जैन समाज कामा के अध्यक्ष अनिल जैन लहसरिया ने बताया कि नेत्र जांच शिविर में 182रोगियों की निशुल्क नेत्र जांच की गई तो मौके पर ही निशुल्क दवाएं वितरित की गई । शिविर में 34 मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण हेतु रेफर किया गया। जिन्हें क्रमशः गुरु ग्राम स्थित अस्पताल में लैंस प्रत्यारोपण के लिए भेजा जाएगा । ऑपरेशन के लिए जाने वाले रोगियों का परिवहन खर्च भी अस्पताल प्रशासन द्वारा वहन किया जाता है। इस मौके पर हॉस्पिटल मैनेजर सुभाष यादव, डॉ योगेंद्र सिंह, डॉ रामचन्द्र,डॉ साक्षी,डॉ खुशबू, ऑप्टिकल कर्मी अनिल,रहमान के साथ जैन समाज के देवेंद्र जैन,युवा परिषद अध्यक्ष मयंक जैन,मनोज जैन, मुकेश जैन,संजय बोलखेड़िया ,आकाश जैन,आर्यन जैन,राकेश अग्रवाल रेल्वे वाले, विष्णु सेन सहित अन्य कार्यकर्ताओ ने विशेष सहयोग प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि जैन समाज धार्मिक कार्यो में जिस प्रकार अग्रणी रहती है उसी प्रकार समाज सेवा में भी कोई कसर नही छोड़ती है।

तालिबान ने हिंदुओं-सिखों से की लौटने की अपील, गृह मंत्रालय ने कहा- देश में बहाल हुई सुरक्षा

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जा जमाने के बाद से वहां सुरक्षा के हालात बेहद खराब हो गए हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर हमले आम बात हैं। इसी कारण देश से खासकर हिंदुओं और सिखों ने पलायन शुरू कर दिया है। अब तालिबान के गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने इस समुदाय के नेताओं से मिलकर दावा

किया कि देश में सुरक्षा की समस्या को हल कर लिया गया है। इसलिए हिंदुओं और सिख समुदाय के लोगों को वापस लौट आना चाहिए। अफगानिस्तान के हिंदू और सिख परिषद के सदस्यों से 24 जुलाई को मुलाकात के बाद तालिबान के चीफ ऑफ स्टाफ डॉ. मुल्ला वसी के कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा, अफगानिस्तान में सुरक्षा की स्थिति अब काफी बेहतर है। ट्वीट के मुताबिक, बैठक के दौरान परिषद के सदस्यों ने इस्लामिक स्टेट के खुरासान गुट की ओर से काबुल के कर्ता-ए-परवान गुरुद्वारे पर किए गए हमले के दौरान प्रभावी कार्रवाई करने के लिए तालिबान को धन्यवाद भी दिया।

अफगानिस्तान में तालिबान का शासन के दौरान हिंदू और सिख ही नहीं, शिया समुदाय के लोग और उनके धार्मिक स्थल भी कट्टरपंथियों के हमलों का निशाना बनते रहे हैं। कुछ दिन पहले ही शियाओं के धार्मिक और शैक्षिक स्थलों पर हमलों का सिलसिला चल निकला था।

चीन के वुहान शहर में वापस लौटा कोरोना, लाखों लोगों पर लगीं सख्त पाबंदियां

बीजिंग। चीन में एक बार फिर कोरोना वायरस ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। कोरोना की शुरुआत वुहान शहर से हुई थी और अब एक बार फिर वुहान में ही कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। बुधवार को वुहान शहर में व्यवसायों और सार्वजनिक परिवहन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। 10 लाख आबादी वाले जियांगक्सिया जिले को शटडाउन कर दिया गया है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, प्रशासन के मुताबिक, जियांगक्सिया जिले के शहरी इलाके में बुधावार से तीन दिनों के लिए अस्थायी नित्रण उपायों को लागू किया गया है। लाकडाउन लगाने के आदेश दिए गए। जिले में सिनेमा हाल, बार और कई स्थानों को बंद कर दिया

गया है। साथ ही बड़े आयोजनों पर रोक लगा दी गई है। सभी धार्मिक स्थलों को भी बंद करने के निर्देश दिया गया है और धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई। लोगों को शहर ना छोड़ने के सलाह दी गई है। बता दें कि चीन में कोरोना महामारी रोकथाम के लिए जीरे-कोविड पालिसी पर जोर दिया गया । गौरतलब है इस फैसले से चीन में कोरोना वायरस को नियंत्रण करने में मदद मिली लेकिन सख्त प्रतिबंध की वजह से चीन की जनता परेशान भी हो गई। जीरे- कोविड पालिसी ने चीन में आर्थिक गतिविधियों से लेकर आवाजाही पूरी तरह से ठप हो चुकी थी। बता दें कि भले ही चीन इस नियम को लेकर चीन भले ही अपनी पीठ थप-थपा रहा है लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस नीति की आलोचनी की है।

ईरान में कार-ट्रक की भीषड़ टक्कर, छह लोगों की मौत

ईरान। मध्य ईरान में एक सड़क पर दो कारों की टक्कर में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। नैन रेड क्रिसेंट सोसाइटी के प्रमुख मोहम्मद जमानी ने बताया कि नैन-इस्फहान मार्ग पर हुए हादसे में एक कार बायीं ओर मुड़ी और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। जमानी ने कहा कि दुर्घटना में एक यात्री घायल हो गया, दुर्घटना के अन्य कारणों की जांच की जा रही है। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि ईरान में हर साल यातायात दुर्घटनाओं में 20,000 से अधिक लोग मारे जाते हैं और 200,000 अन्य घायल होते हैं। ड्राइविंग अनुभव की कमी और कारों और सड़कों की कम दक्षता कथित तौर पर शीर्ष कारण हैं।

पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे को सिंगापुर का नया वीसा जारी, 14 दिन बढ़ी मियाद

कोलंबो। श्रीलंका में ऐतिहासिक संकट व हिंसक प्रदर्शन के बीच देश से रफूचक्कर हुए पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे सिंगापुर में डेरा जमाए हैं। सिंगापुर सरकार ने उनके प्रवास के लिए नया वीसा जारी किया। सिंगापुर में प्रवास की मियाद 14 दिन बढ़ाई गई है। बुधवार को आई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजपक्षे के वीसा की अवधि 11 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी गई है। राजपक्षे अपने देश श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को नहीं संभाल पाने के कारण कोलंबो में फैले जनाक्रोश के बीच 13 जुलाई को देश छोड़कर मालदीव चले गए थे। वहां से अगले दिन वे निजी यात्रा पर सिंगापुर पहुंचे।

'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की खबर के अनुसार, राजपक्षे को नया वीजा जारी किया गया है। सिंगापुर में उनके रहने की अवधि 11 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। पहले सिंगापुर ने पूर्व राष्ट्रपति को 14 जुलाई को निजी यात्रा पर देश में प्रवेश करते ही 14 दिनों का अल्पकालिक यात्रा पास प्रदान किया था।

जल्दी देश वापस लौटने की उम्मीद

इससे पूर्व श्रीलंका की नवगठित रानिल विक्रमसिंघ सरकार के प्रवक्ता ने गुनावर्धने ने कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति छिपे नहीं थे। उनके जल्दी ही सिंगापुर से लौटने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि पूर्व

राष्ट्रपति देश छोड़कर भाग गए हैं और छिपे हुए हैं। हालांकि, उन्होंने राजपक्षे की संभावित वापसी के बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी। गुनावर्धने परिवहन और राजमार्ग और मास मीडिया मंत्री भी हैं।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के मामले में दिया बयान

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के लिए सिंगापुर के अटॉर्नी जनरल से किए गए अनुरोध पर टिप्पणी करते हुए, कैबिनेट प्रवक्ता ने कहा कि यदि कोई स्थिति है, तो देश में जिम्मेदार अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे कि पूर्व राष्ट्रपति को कोई नुकसान न हो। दक्षिण अफ्रीका के एक अधिकार समूह ने सिंगापुर के अटार्नी जनरल को एक आपराधिक शिकायत सौंपी है। इसमें उसने पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे पर कथित युद्ध अपराधों लगाएं और उनके लिए उन्हें गिरफ्तार करने का अनुरोध भी किया है। जानकारी के मुताबिक, इंटरनेशनल ट्रुथ एंड जस्टिस प्रोजेक्ट के वकीलों ने ये शिकायत प्रस्तुत की है। गौरतलब है कि आर्थिक संकटों का सामना कर रहे श्रीलंका में उनके खिलाफ महीनों के सार्वजनिक विरोध के बाद लोग 9 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में घुस गए थे। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने पीएम आवास सहित कई अन्य सरकारी कार्यालयों पर कब्जा जमा लिया था। इसके बाद राजपक्षे 13 जुलाई को मालदीव भाग गए और वहां से अगले दिन सिंगापुर के लिए रवाना हो गए थे।

भूकंप के तेज झटकों से कांपा फिलीपींस, रिक्टर स्केल पर 7.0 रही तीव्रता

मनीला। फिलीपींस में बुधवार सुबह 6.13 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.0 रही। हालांकि, इस दौरान किसी तरह के हताहत होने की खबर नहीं मिली है और ना ही सुनामी की कोई चेतावनी दी गई है। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान ने बताया कि भूकंप का केंद्र अब्रा प्रांत में किसी पर्वतीय इलाके में जमीन से 25 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए

भूकंप आने के बाद कई झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के तीव्र झटकों के कारण इमारतों और मकानों की दीवारों में दरारें आ गयीं। गौरतलब है कि फिलीपीन भूकंप के लिहाज से संवदेनशील क्षेत्र है। देश में 1990 में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में करीब 2,000 लोग मोर गए थे।

जानें क्यों आता है भूकंप?

धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट

और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टैकटोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है।

जानिए भूकंप के केंद्र और तीव्रता का क्या मतलब है?

भूकंप का केंद्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से धरती हिलने लगती है। इस स्थान पर या इसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप का असर ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

कोरोना के बाद अब पैर पसार रहा मंकीपॉक्स, मेक्सिको में 60 मामलों की पुष्टि

मेक्सिको सिटी। कोरोना के कहर से दुनिया अभी ठीक से संभली भी नहीं है इसी बीच एक और वायरस डराने लगा है। इस नए वायरस का नाम मंकीपॉक्स है। मेक्सिको ने मंकीपॉक्स के 60 मामलों की पुष्टि की है। मेक्सिको के रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन अवर सचिव ह्यूगो लोपेज-गैटेल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लोपेज-गैटेल ने कहा कि अब तक मेक्सिको में मंकीपॉक्स से कोई मौत नहीं हुई है।

लोपेज ने आगे कहा कि 'केवल पांच या छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है क्योंकि उनमें गंभीर प्रतिरक्षा दमन पाया गया है, लेकिन सामान्य तौर पर सभी लगभग 21 दिनों में ठीक हो गए।'11 मैक्सिकन शहरों में मंकीपॉक्स के मामलों का पता चला है, जो वायरस से संबंधित है जो चेचक का कारण बनता है, लेकिन इसके मरीजों में हल्के लक्षण पाए जाते हैं और शायद ही कभी घातक हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 75 देशों और क्षेत्रों में 16,000 से अधिक मंकीपॉक्स के मामले सामने आए हैं और पांच संबंधित मौतें दर्ज की गई हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शनिवार को मंकीपॉक्स के प्रकोप को 'अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया था।

क्या है मंकीपॉक्स वायरस, कैसे फैलता है?

मंकीपॉक्स, स्मॉलपॉक्स (चेचक) की तरह ही एक वायरल इन्फेक्शन है जो चूहों और खासकर बंदरों से इंसानों में फैल सकता है। अगर कोई जानवर इस वायरस से संक्रमित है और इंसान उसके संपर्क में आता है तो संभावना है कि उसे भी मंकीपॉक्स हो जाए। यह देखने में चेचक का बड़ा रूप लगता है, इसमें लगभग लक्षण भी वहीं हैं। जिन लोगों में ज्यादा संक्रमण होता है उन्हें निमोनिया के लक्षण भी दिख सकते हैं। यह बीमारी एक इंसान से दूसरे में फैल सकती है। संक्रमित व्यक्ति को छूने से उसकी छींक या खांसी के संपर्क में आने से, संक्रमित व्यक्ति के मल के संपर्क में आने से या फिर संक्रमित व्यक्ति की वस्तुओं को इस्तेमाल करने से ये बीमारी दूसरे व्यक्ति में फैल सकती है। मंकीपॉक्स के विषय में डब्लूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक, साउथ-ईस्ट एशिया रीजन, पूनम खेत्रपाल सिंह का कहना है कि मंकीपॉक्स उन देशों में भी फैलता हुआ देखा जा रहा है जहां पहले कभी नहीं देखा गया। वहीं, भारत में भी इसके बढ़ते मामले सामने आ रहे हैं।

मंकीपॉक्स से न्यूयॉर्क में दहशत, WHO से इसलिए की नाम बदलने की मांग

लंदन। कोरोना महामारी से जूझ रही दुनिया के सामने मंकीपॉक्स का खौफ बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में न्यूयॉर्क में सबसे ज्यादा मरीज मिले हैं। बढ़ती दहशत को देखते हुए न्यूयॉर्क के स्वास्थ्य आयुक्त ने विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO से इस वायरस का नाम बदलने की मांग की है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार मंकीपॉक्स अब तक 75 देशों में दस्तक दे चुका है। दुनियाभर में मरीजों की संख्या 16 हजार से ज्यादा हो गई है। डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में मंकीपॉक्स को लेकर वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल का एलान किया है। दरअसल, न्यूयॉर्क में मंकीपॉक्स के मरीजों की संख्या 1,092 हो गई है। इसे देखते हुए इस बीमारी से पीड़ित लोग बदनाम न हों और उनके इलाज व देखभाल में परेशानी न आए इसलिए बीमारी का नाम बदलने का आग्रह किया गया है। न्यूयॉर्क के पब्लिक हेल्थ कमिश्नर अश्विन वासन ने मंगलवार को डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस को पत्र लिखकर कहा है कि हमें मंकीपॉक्स संक्रमित की बदनामी व इलाज की चिंता है। संक्रमण के खौफ से मंकीपॉक्स रोगी इलाज से वंचित हो सकते हैं।

वासन ने अपने पत्र में यह भी लिखा है कि मंकीपॉक्स का नाम बदलने का सुझाव पिछले माह डब्ल्यूएचओ ने ही दिया था। नाम बदलने की अपनी मांग के समर्थन में वासन ने उस नस्लवादी इतिहास का भी जिक्र किया, जिसके कारण 'मंकीपॉक्स' शब्द का इस्तेमाल खास समुदाय की ओर इशारा करने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि मंकीपॉक्स दुनिया से खत्म हो चुके चेचक वायरस से भी मिलता जुलता नाम है, इसलिए भी बदला जाना चाहिए।

वासन ने यह भी कहा कि एचआईवी बीमारी के समय भी उसके बारे में भ्रांत जानकारियों के कारण लोगों के जेहन में मरीजों के प्रति नकारात्मक भाव पैदा हुए थे। इसी तरह पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कोविड-19 को 'चायना वायरस' करार देकर इस महामारी के लिए एशियाई समुदाय को परोक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया था। वासन ने डब्ल्यूएचओ को लिखे पत्र में यह भी कहा कि असल में 'मंकीपॉक्स' वायरस नरवानर प्रजाति से पैदा नहीं हुआ है, जैसा कि उसके नाम से पता चलता है। इसका इस्तेमाल जारी रखने से नस्लवाद के कलंक की दर्दनाक यादें फिर ताजा होंगी। इससे खासकर काले लोगों व एलजीबीटीक्यू (लेस्बियन, गे, समलैंगिक किन्नर आदि) समुदाय के लोगों पर इसका बुरा असर पड़ सकता है।

आसियान की बैठक में उठेगा म्यांमार में फांसी देने का मुद्दा, दुनियाभर में कड़ी प्रतिक्रिया

म्यांमार। म्यांमार में चार राजनीतिक कैदियों को फांसी देने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिक्रिया हुई। दुनियाभर की सरकारों ने इसकी कड़ी निंदा की। स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन कर म्यांमार में लोकतंत्र बहाल करने की मांग उठाई। मलयेशिया ने यह मामला आसियान बैठक में उठाने की बात कही है।सेना ने निर्वाचित नेता आंग सान सू की को फरवरी 2021 में बेदखल कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के हजारों लोगों की हत्या के आरोप लगे हैं। सोमवार को दशकों बाद देश में आधिकारिक तौर पर फांसी की शुरुआत हुई और चार लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। कुआलालंपुर में संयुक्त राष्ट्र के म्यांमार में विशेष दूत नोइलीन हेजर के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता में मलयेशिया के विदेश मंत्री सैफुद्दीन अब्दुल्ला ने कहा, यह मानवीयता के प्रति अपराध है। अगले हफ्ते कंबोडिया में होने वाली दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के विदेश मंत्रियों की बैठक में यह केंद्र में रहेगा। म्यांमार इसमें सदस्य है। पिछले वर्ष वह पांच मुद्दों पर सहमत हुआ था। इनमें सभी संबद्ध पक्षों से वार्ता, मानवीय मदद की व्यवस्था, हिंसा तत्काल रोकने और सभी पक्षों से वार्ता के लिए विशेष दूत की व्यवस्था करना थे। उन्होंने कहा, देखा जाएगा कि सैन्य जुंटा इन पांच बिंदुओं को लागू करने के प्रति कितना गंभीर है। उधर, राजधानी में प्रदर्शन कर हजारों लोगों ने कहा, इस तरह की हत्याएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

पाकिस्तान में पहली हिंदू महिला डीएसपी बनी मनीषा रुपेता; पाकिस्तानियों ने की तारीफ, रिश्तेदार बोले-टिकेगी नहीं

पेशावर: पाकिस्तान में मनीषा रुपेता को पहली हिंदू महिला छ्रस्क्र के तौर पर नियुक्त किया गया है। सिंध लोक सेवा की परीक्षा पास करने और प्रशिक्षण हासिल करने के बाद उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। पाकिस्तान में आम तौर पर महिलाएं पुलिस स्टेशन और अदालतों के अंदर नहीं जाती हैं। इन स्थानों को महिलाओं के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता है, इसलिए ज़रूरत पड़ने पर यहां आने वाली महिलाएं पुरुषों के साथ आती हैं। ऐसे माहौल में, मनीषा ने पुलिस बल को ज्वाइन करने का फ़ैसला लिया । उन्होंने कहा कि वह इस धारणा को बदलना चाहती थीं कि अच्छे परिवार की लड़कियां पुलिस स्टेशन नहीं जाती हैं।

मनीषा ने की थी डॉक्टर बनने की कोशिश

सिंध जिले के पिछड़े और छोटे से जिले जाकूबाबाद की मनीषा ने यहीं से अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा हासिल की। मनीषा ने डॉक्टर बनने की कोशिश की थी, लेकिन महज एक नंबर कम होने की वजह से उन्हें स्न्न्न्न्न्न् में दाख़िला नहीं मिला था। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर ऑफ फिजिकल थेरेपी की डिग्री ली। इस दौरान बिना किसी को बताए वह सिंध लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी भी करती रहीं। उन्होंने ना केवल इस परीक्षा में कामयाबी हासिल की बल्कि 438 सफल आवदेकों में 16वें स्थान पर रहीं। उन्होंने बताया, 'हमें यह स्पष्ट तौर पर पता है कि कौन सा पेशा महिलाओं के लिए है और कौन सा था।

लेकिन मुझे हमेशा पुलिस का पेशा आकर्षित करता रहा और प्रेरित भी करता रहाय़मुझे लगता है कि यह पेशा महिलाओं की स्थिति को सशक्त बनाता है।÷ उन्होंने मुझे यह भी बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य पुलिस के पेशे को महिलाओं से जोड़ने की कोशिश करना था।

मनीषा नें कराची के सबसे मुश्किल इलाके ल्यारी में ली ट्रेनिंग

मनीषा ने कहा कि पीड़ितों में ज़्यादातर महिलाएं हैं ऐसे में उनकी सुरक्षा करने वाली भी महिलाएं होनी चाहिए और इसी प्रेरणा से वह हमेशा पुलिस बल का हिस्सा बनना चाहती थी। स्वतंत्र रूप से डीएसपी का प्रभार संभालने से पहले मनीषा ने कराची के सबसे मुश्किल इलाके ल्यारी में ट्रेनिंग ली है। इस इलाके में पुलिस विभाग में ऑफ़िसर बनने वाली मनीषा पहली महिला हैं। उन्होंने, स्क्र आतिफ अमीर की निगरानी में प्रशिक्षण लिया। अमीर का मानना है कि महिला पुलिस ऑफ़िसर की संख्या बढ़ने से पुलिस विभाग की छवि बदलने में मदद मिलेगी। मनीषा ने हमें यह भी बताया कि उनके समुदाय के लोगों का मानना है कि वह लंबे समय तक इस नौकरी में टिक नहीं पाएगी।

पाकिस्तानियों ने की प्रशंसा

इसके बारे में मनीषा ने बताया, 'मेरी कामयाबी पर लोग काफ़ी खुश हुए। पूरे देश ने मेरी प्रशंसा की। हर किसी से प्रशंसा सुनने को मिली लेकिन एक अजीब बात यह हुई कि मेरे नज़दीकी रिश्तेदारों का मानना है कि थोड़े ही समय में ये नौकरी बदल लूंगी।

उन्होंने बताया, 'पितृसत्तात्मक समाज में, पुरुषों को लगता है कि ये काम केवल पुरुष ही कर सकते हैं। यह एक सोचने का नज़रिया हो सकता है। लेकिन आने वाले कुछ सालों में ये लोग अपनी बात वापस लेंगे और हो सकता है कि उनमें से किसी की बेटी पुलिस विभाग में काम करने लगे।

मनीषा कराती हैं लड़कियों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी

मनीषा अपनी नौकरी के अलावा लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी कराने वाली एक एकेडमी में पढ़ाती भी हैं। उन्होंने इस बारे में कहा, 'यह मेरे लिए काफ़ी प्रेरक है क्योंकि मुझे लगता है कि मेरी गाइडेंस से कुछ लड़कियों को आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है।' मनीषा का मनना है कि पुलिस एक ऐसी सेवा है जो लिंग और धर्म से परे है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक समुदाय की ज़्यादा से ज़्यादा महिलाएं पुलिस विभाग में शामिल होंगी।

मनीषा के परिवार बारे में खास बातें

मनीषा के पिता जाकूबाबाद में व्यापारी थे और मनीषा जब 13 साल की थीं तब उनका निधन हो गया था।

मनीषा की मां ने अपने दम पर पांच बच्चों की परवरिश की। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए वो कराची आ गईं ।

अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए मनीषा ने बताया कि जाकूबाबाद में लड़कियों को पढ़ाने लिखाने का माहौल नहीं था।

अगर किसी लड़की की शिक्षा में दिलचस्पी होती थी तो उसे केवल मेडिकल की पढ़ाई पढ़ने के लिए उपयुक्त माना जाता था।

मनीषा की तीन बहनें एमबीबीएस डॉक्टर हैं, जबकि उनका इकलौता और छोटा भाई मेडिकल मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहा है।

परवेज इलाही बने पंजाब के नए मुख्यमंत्री, राज्यपाल ने कर दिया इंकार तो राष्ट्रपति अल्वी ने दिलाई शपथ

इस्लामाबाद। पीएमएल-क्यू नेता चौधरी परवेज इलाही पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नए सीएम बने। उन्होंने 27 जुलाई को तड़के पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते हुए पीएम शाहबाज के बेटे हमजा शहबाज को पद से हटा दिया है। इसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

पाकिस्तान की जियो न्यूज के हवाले से यह खबर आई है। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर के 10 वोटों को खारिज करने के फैसले को असंवैधानिक करार दिया। पीएमएल-क्यू नेता चौधरी परवेज इलाही पंजाब के मुख्यमंत्री होंगे।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित परवेज इलाही ने पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर दोस्त मोहम्मद मजारी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ जिसमें पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल, न्यायमूर्ति इजाजुल अहसान और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर शामिल हैं।

कोर्ट ने पंजाब के राज्यपाल बाली उर रहमान को इलाही को शपथ दिलाने का आदेश दिया था। हालांकि, उन्होंने अपने कर्तव्यों का

पालन करने से इनकार कर दिया। नतीजतन, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने शपथ दिलाई।

डिप्टी स्पीकर का फैसला अवैध घोषित

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने पंजाब के सीएम चुनाव में डिप्टी स्पीकर दोस्त मुहम्मद मजारी के फैसले को अवैध घोषित किया और फैसला सुनाया कि परवेज इलाही प्रांत के नए सीएम होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिप्टी-स्पीकर का फैसला अवैध है। डिप्टी स्पीकर के फैसले का कोई कानूनी औचित्य नहीं है। बहुमत मत हासिल करने के बावजूद शुक्रवार को हुए चुनाव में हारने वाले परवेज इलाही ने डिप्टी स्पीकर दोस्त मजारी के फैसले को चुनौती दी थी, जिन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे हमजा को जीत दिलाई थी। मामले की सुनवाई करने वाली मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल, न्यायमूर्ति इजाजुल अहसान और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर की तीन सदस्यीय पीठ ने फैसला सुनाया कि परवेज इलाही पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री होंगे।

चुनाव के दौरान मजारी ने पार्टी अध्यक्ष चौधरी शुजात हुसैन द्वारा लिखे गए एक पत्र का हवाला देते हुए पीएमएल-क्यू के 10 सांसदों के वोटों की गिनती के खिलाफ फैसला किया था, जो इलाही के पक्ष में थे। इसमें उन्होंने इन्हें हमजा को वोट देने का निर्देश दिया था। अदालत ने पंजाब के राज्यपाल को मंगलवार रात 11:30 बजे से पहले परवेज इलाही को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने का भी आदेश दिया।

एक्सप्रेस न्यूज

ऐतिहासिक कल्पवृक्ष का धार्मिक मेला आज

अजमेर,(एजेंसी)। राजस्थान में अजमेर जिले के मांगलियावास में गुरुवार को हरियाली अमावस्या के मौके पर ऐतिहासिक कल्पवृक्ष का धार्मिक मेला भरेगा। इसके लिए ग्राम पंचायत प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। मांगलियावास स्थित ऐतिहासिक धार्मिक महत्व वाले कल्पवृक्ष जोड़े पर वर्षो वर्षो से हरियाली अमावस्या के धार्मिक मेले की परंपरा चलती आ रही है जहां अजमेर जिले के अलावा राजस्थान की बहुतेरी जगहों से श्रद्धालु आते हैं और स्वस्थ रहने के साथ खुशहाली एवं समृद्धि की कामना करते हैं। मेले में ग्रामीण परिवेश की छटा देखते ही बनती है। मेले को लेकर पूरे गांव में उत्साह का माहौल रहता है। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी मांगलियावास पहुंचकर कल्पवृक्ष जोड़े के दर्शन किए थे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

प्रयागराज, (ब्यूरो)। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है। स्वास्थ्य से सम्बंधित जो योजनाएं संचालित है, उनका अच्छी तरह से क्रियान्वयन करते हुए लोगो को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने अस्पतालों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के साथ-साथ नियमित अंतराल पर मेडिकल स्टॉफ का प्रशिक्षण भी कराते रहने का निर्देश दिए है।

विशेष अदालत से राकेश वाधवन की जमानत मंजूर

मुंबई, (एजेंसी)। हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआईएल) के पूर्व प्रमोटर राकेश वाधवन को यस बैंक और मैकस्टार के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यहां की एक विशेष अदालत ने जमानत दे दी। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विशेष जज ने जमानत मंजूर करते हुए उन्हें पांच लाख रुपए नकद भरने और बाद में उन्हें उतनी ही राशि की जमानत देने लिए कहा। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है और एजेंसी ने उसकी जांच के प्रतिकूल किसी भी गतिविधि की सूचना नहीं दी है। कोर्ट ने कहा कि राकेश वाधवन कई अन्य मामलों में एक विचाराधीन कैदी है।

लालू यादव केस में बिरसा मुंडा जेल से जवाब मांगा

रांची, (एजेंसी)। अविभाजित बिहार के बहुचर्चित अरबों रुपए के चारा घोटाले मामले में सजायाफ्ता राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपियों की सजा बढ़ाये जाने की मांग वाली सीबीआई की याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के जज न्यायमूर्ति आर.मुखोपाध्याय और न्यायमूर्ति अम्बुज नाथ की खंडपीठ ने सीबीआई की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से जवाब मांगा है। अदालत ने देवघर कोषागार से जुड़े आरसी 64ए/96 मामले में सुनवाई करते हुए दोषियों की सजा अवधि की जानकारी मांगी है।

कई भाषाओं में होगी उप्र के उत्पादों की जानकारी

लखनऊ, (ब्यूरो)। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना 'एक जिला एक उत्पाद' से जुड़े उत्पादों के बारे में अब पूरी जानकारी विभिन्न भारतीय भाषाओं में भी मिलेगी। इसके लिए राज्य सरकार के एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन विभाग ने माइक्रो ब्लागिंग एप 'कू' के साथ एक एमओयू पर बुधवार को हस्ताक्षर किया है। इससे अब उत्तर प्रदेश के उत्पादों को प्रमोट करने में मदद मिलेगी। उप्र सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल और 'कू' के सह-संस्थापक एवं सीईओ अप्रमेय राधाकृष्ण ने बुधवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

आज का इतिहास

- **1586:** सर थामस हेरिओट ने यूरोप को आलू के बारे में बताया।
- **1741:** कैप्टन बेरिंग ने माउंट सैंट एलियास, अलास्का की खोज की।
- **1742:** प्रशिया और आस्ट्रिया ने शांति संधि पर हस्ताक्षर किए।
- **1821:** पेरू स्पेन से आजाद हुआ।
- **1858:** उंगलियों के निशान को पहचान का बेहतर जरिया बताने वाले सर विलियम जेम्स हर्शेल का जन्म।
- **1866:** अमेरिका में मापने की मीट्रिक प्रणाली को वैधानिक मान्यता मिली।
- **1914:** प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत।
- **1914:** एस.एस. कामागाता मारू को वेंकुवर से निकाला भारत रवाना किया।
- **1924:** हेपेटाइटिस का टीका खोजने वाले बारुख ब्लमर्ग का जन्म। इसी दिन विश्व हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है।
- **1976:** चीन में 8.3 की तीव्रता वाले भूकंप से लाखों लोगों की मौत।

घंटाकर्ण उत्सव

नेपाल के भक्तपुर में घंटाकर्ण उत्सव मनाते श्रद्धालु। काठमांडू घाटी में नेवार समुदाय के सदस्यों ने दानव का पुतला बना कर उसे जलाया और अच्छे भाग्य की शुरूआत करने के लिए यह त्योहार मनाया। इंसेट - श्रद्धालुओं ने दानव के पुतले को रस्सी से खींचा।

टीएमसी के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में

कोलकाता ■ एजेंसी

मिथुन का बड़ा दावा, बंगाल में भी हो सकता है सत्ता परिवर्तन

बॉलीवुड सुपरस्टार और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी के 38 विधायकों का भाजपा से संपर्क है। इनमें से 21 विधायक उनके सीधे संपर्क में हैं। बंगाल की राजनीति में सक्रिय होने के बाद मिथुन चक्रवर्ती ने पहली बार बीजेपी विधायकों के साथ बैठक की। बीजेपी विधायकों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि 38 टीएमसी विधायक बीजेपी के संपर्क में हैं और इनमें से 21 उनके सीधे संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में जबरदस्ती चुनाव जीता गया है। उन्होंने कहा कि हिंदी में एक कहावत है कि जबरन छीनी गई चीजों को संभालना मुश्किल है और चुनाव जबरदस्ती जीते गए हैं। विधानसभा चुनाव फिर से निष्पक्ष हुए तो भाजपा की जीत निश्चित है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह बयान कि साल 2024 में देश में बीजेपी की सरकार नहीं बनेगी। इसका जवाब देते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि बीजेपी की सरकार फिर बनेगी और फिर बनेगी। वहीं टीएमसी ने मिथुन के कथन का जवाब देते हुए कहा कि मिथुन को दिमागी बीमारी है।

कर्नाटक में भाजपा नेता की हत्या, 10 आरोपी पकड़े

एनआईए को सौंपा जा सकता है केस

बेंगलुरु ■ एजेंसी

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में मंगलवार को भाजपा नेता प्रवीण नेट्टारू की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। नेतरू भाजपा युवा मोर्चा के जिला सचिव थे। हत्या के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुत्तूर में प्रदर्शन किया, जो देर रात तक जारी रहा।

प्रवीण ने 29 जून को राजस्थान में मारे गए कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। अब तक 10 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। बढ़ते विरोध को देखते हुए पुत्तूर में धारा 144 लागू कर दी गई। मामले में कर्नाटक के गृहमंत्री अरगा जनेंद्रा ने सीएम बसवराज बोम्मई से मुलाकात की है। बोम्मई ने कहा कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर केस राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को भी सौंपा जा सकता है।

कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में सोशल की थी मीडिया पोस्ट

प्रवीण की दक्षिण कन्नड़ के बेल्लारे इलाके में पोल्ट्री की दुकान है। मंगलवार को जब प्रवीण दुकान बंद कर घर लौट रहा था तो बाइक पर सवार कुछ लोगों ने आकर उसका रास्ता रोक लिया। उसने प्रवीण पर कुल्हाड़ी से हमला किया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

23 जून को भी हो चुकी है भाजपा नेता की हत्या

कर्नाटक में 23 जून को भाजपा नेता मोहम्मद अनवर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्यारे बाइक से आए थे। मोहम्मद अनवर भाजपा के महासचिव थे। बीजेपी सांसद शोभा करंदलाजे ने इस हत्या के पीछे कट्टरपंथियों का हाथ बताया था।

गुणवत्ता व समयबद्धता में पूरा करें निर्माण कार्य : आशीष पटेल

लखनऊ, (ब्यूरो)। प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप मंत्री आशीष पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज की प्रशासकीय परिषद की बैठक आहूत की गई। उन्होंने निर्माण कार्यों को लेकर राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज के अफसरों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने साथ ही राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज में की जाने वाली भर्ती में उप्र शासन द्वारा जारी आरक्षण नीति का पूरी तरह पालन किया जाए।

महंगाई के मुद्दे पर संसद में विपक्ष का कड़ा रुख

लोकसभा में होता हंगामा नहीं चला प्रश्नकाल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में महंगाई के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा जारी रहा जिसके कारण बुधवार को भी प्रश्नकाल नहीं चल पाया और सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सदस्यों को जानकारी दी कि जांबिया गणराज्य की असेंबली का शिष्टमंडल भारत भ्रमण पर आया है और उसके सदस्य सदन की कार्यवाही देखने के लिए अतिथि कक्ष में हैं। उन्होंने सदन की तरफ से शिष्टमंडल के सदस्यों का और जांबिया के लोगों का हार्दिक स्वागत किया। श्री बिरला ने इस परिचय के बाद जैसे ही प्रश्नकाल शुरू किया विपक्ष के सदस्य हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए और जमकर हंगामा करने लगे। श्री बिरला सदस्यों को बार-बार अपनी सीट पर जाने का आग्रह करते रहे लेकिन सदस्यों ने उनकी बात पर कोई ध्यान नही दिया।

राज्यसभा में अगले सप्ताह महंगाई पर चर्चा संभव

राज्यसभा में अगले सप्ताह की शुरुआत में महंगाई और संबंधित मुद्दों पर चर्चा संभव है। राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि सभापति एम. वैंकैया नायडू और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच सुबह हुई एक बैठक में इस आशय की व्यापक सहमति बनी। इस बैठक में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मलिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के के.सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन, द्रमुक के तिरुचि शिवा, शिवसेना के संजय राऊत, माकपा के इलावरम करीम, भाकपा के विनय विस्वम, तेलंगाना राष्ट्र समिति के सुरेश रेड्डी और एमडीएमके के वाइको शामिल थे।

राज्यसभा में नहीं चला शून्यकाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्षी दलों ने बुधवार को भी महंगाई और जीएसटी से जुड़े मुद्दे उठाने का प्रयास किया जिसके कारण सदन में शून्यकाल नहीं चल सका। सभापति एम वैंकैया नायडू ने सुबह सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए आवश्यक दस्तावेज पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने कहा कि विपक्ष के कई सदस्यों ने नोटिस दिए हैं जिनमें महंगाई का मुद्दा प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि यह नोटिस कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कषगम और वामदलों के सदस्यों से मिले हैं। सभापति ने कहा कि वह इस मुद्दे पर अपना रुख बता चुके हैं और सदस्य शून्यकाल में ये मुद्दे उठा सकते हैं। इसके बाद उन्होंने शून्यकाल शुरू कराने का प्रयास किया लेकिन विपक्ष के सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो गए और उन्होंने बोलना शुरु कर दिया। इस पर श्री नायडू ने सदन की कार्यवाही 12:00 बजे तक स्थगित करने की घोषणा कर दी।

'आप' के संजय सिंह सदन की कार्यवाही से निलंबित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सभापति के आसान की ओर कागज फाड़कर फेंकने और कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह को राज्यसभा की इस सप्ताह की शेष अवधि के लिए बुधवार को निलंबित कर दिया गया और इसके बाद सदन की कार्यवाही पहले 15 मिनट तथा उसके बाद दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई।

गूगल स्ट्रीट व्यू अब भारत में लांच, 10 शहरों में सेवा शुरू

नई दिल्ली,(एजेंसी)। गूगल मैप्स पर अब भारत के 10 शहरों में सड़कों और गलियों की वास्तविक तस्वीरें देखी जा सकेंगी। प्रौद्योगिकी कंपनी ने इसके लिए दो स्थानीय कंपनियों के साथ भागीदारी की है। सरकार ने पूर्व में सुरक्षा कारणों से सड़कों और अन्य जगहों की व्यापक फलक वाली तस्वीरें दिखाने की अनुमति नहीं दी थी। अबतक गूगल मैप्स पर उपग्रह से ली गईतस्वीरें होती थीं, लेकिन अब उसपर वास्तविक तस्वीरें होंगी।

गूगल ने बुधवार को बयान में कहा कि जेनेसिस इंटरनेशनल और टेक महिंद्रा की भागीदारी के साथ सड़कों, गलियों की वास्तविक तस्वीर देखने की सेवा शुरू की गयी है। बयान के अनुसार, गूगल मैप्स पर बुधवाा से सड़क की तस्वीर उपलब्ध हो गई है। यह सेवा बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, नासिक, वडोदरा, अहमदनगर और अमृतसर में होगी।

गूगल, जेनेसिस इंटरनेशनल और टेक महिंद्रा की 2022 तक इस सेवा का 50 से अधिक शहरों में विस्तार करने की योजना है। इसके साथ गूगल मैप्स यातायात प्राधिकरणों की तरफ से जारी गति सीमा के आंकड़े भी दिखाएगी। गूगल ने ट्रैफिक लाइट के समय को बेहतर ढंग से बनाने के मॉडल को लेकर बेंगलुरु यातायात पुलिस के साथ अपनी साझेदारी की भी घोषणा की है।

दिल्ली में संघ, विहिप कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार किया गया है। विहिप के सह प्रचार प्रसार प्रमुख सुमित अलघ ने बताया कि विहिप के झण्डेवाला देवी मंदिर स्थिति दिल्ली प्रांत कार्यालय में एक व्यक्ति लगभग दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर आकर प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता से कहने लगा - 'पूरी बिल्डिंग बम से उड़ा दी जायेगी हमारे आका ने तय कर रखा है।

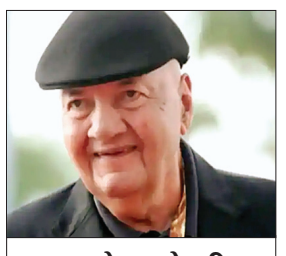

अपने मरने की खबर पर बोले प्रेम, अभी जिंदा हूं

मुंबई, (एजेंसी)। बॉलीवुड के लीजेंड एक्टर प्रेम चोपड़ा की मौत की खबर से उनके फैंस सकते में आ गए थे, लेकिन अब खुद एक्टर ने अपने सही सलामत होने की बात कही है, जिससे यकीनन उनके फैंस को थोड़ी राहत मिली होगी। इसे लेकर प्रेम चोपड़ा ने बताया है कि वो बिल्कुल स्वस्थ हैं। अपनी मौत की खबर को लेकर उन्होंने कहा, यह दुखद है, और क्या है! कोई गलत तरीके से लोगों को यह बताकर उन्हें दुख देकर आनंद प्राप्त कर रहा है कि मैं अब नहीं हूं, लेकिन यहां मैं आपसे बात कर रहा हूं, बिल्कुल स्वस्थ हूं।

पटना में सीबीआई के चार जगह छापे, भोला गिरफ्तार

पटना/नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के हनुमान कहे जाने वाले पूर्व विधायक भोला प्रसाद यादव के चार ठिकानों पर बुधवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम एक साथ छापेमारी कर रही है। सूत्रों ने बुधवार को छापेमारी की पुष्टि की।

श्री यादव के दरभंगा जिले के पैतृक घर कपछाही और बहादुरपुर थाना क्षेत्र के भैरोपट्टी मोहल्ला स्थित आवास पर एक साथ छापेमारी चल रही है। आयकर विभाग की सात सदस्यीय टीम की ओर से यह कार्रवाई की जा रही है।

श्री यादव राजद के उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें राजद अध्यक्ष का बेहद करीबी माना जाता है। इसलिए, उन्हें राजद अध्यक्ष का हनुमान भी कहा जाता है। श्री यादव वर्ष 2015 में बहादुरपुर विधानसभा सीट से राजद के टिकट पर विधायक चुने गए थे। वहीं, वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में वह हायाघाट से राजद के टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली थी।

वहीं राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के करीबी को सीबीआई ने अरेस्ट कर लिया हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने बुधवार को पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के तत्कालीन ओएसडी भोला यादव को नौकरी के लिए जमीन लेने के मामले में गिरफ्तार किया है।वही, भोला यादव 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद के ओएसडी थे। जांच में उसकी भूमिका सामने आई। यादव को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीबीआई उनकी दो सप्ताह की हिरासत की मांग कर सकती है।

भोला यादव पर भी आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप

लोस अध्यक्ष ओम बिरला से मिले मोजाम्बिक सभापति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को संसद भवन परिसर में मोजाम्बिक गणराज्य की संसद की सभापति एस्पेरंका लॉरिन्डा फ्रांसिस्को नाहीवने बायस के साथ बैठक की। भारतीय संसद के निमंत्रण पर मोजाम्बिक गणराज्य की संसद का एक शिष्टमंडल भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आया है। श्री बिरला ने संसद भवन स्थित अपने कार्यालय में शिष्टमंडल का स्वागत किया और भारत के नए राष्ट्रपति के निर्वाचन एवं शपथ ग्रहण के तुरंत बाद सुश्री बायस के संसद आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा कि सुश्री बायस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय विशिष्टजनों में से एक होंगी।

संत आत्मदाह घटना की सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने राजस्थान के भरतपुर जिले में ब्रज की चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग में आने वाले दो पवित्र पर्वतों के खनन करके नष्ट करने के विरोध में संत स्वामी विजयदास महाराज के आत्मदाह करने पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इस पूरी घटना की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस बारे में भाजपा के महासचिव अरुण सिंह, सीकर के सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, सांसद सत्यपाल सिंह और सांसद एवं उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक बृजलाल की एक उच्चस्तरीय समिति बना कर उसे घटनास्थल पर जांच के लिए भेजा था। समिति ने बुधवार को रिपोर्ट पेश की।

शपथ ग्रहण **पंजाब प्रांत के राज्यपाल के मना करने के बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने दिलाई शपथ**

परवेज इलाही बने पाक पंजाब के मुख्यमंत्री

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री के रूप में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) समर्थित परवेज इलाही को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने बुधवार को शपथ दिलाई।

'जियो न्यूज़' की रिपोर्ट में बताया गया कि पंजाब प्रांत में मुख्यमंत्री चुनाव को लेकर विधानसभा के उपाध्यक्ष दोस्त मोहम्मद मजारी के आदेश को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध ठहराए जाने के बाद पीटीआई समर्थित उम्मीदवार श्री इलाही के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हुआ।

सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय जजों की बैंच ने अपने प्रारंभिक आदेश में पंजाब प्रांत के राज्यपाल बालिघ-उर -रहमान को श्री इलाही को शपथ दिलाने के निर्देश दिये थे हालांकि , उन्होंने ऐसा करने से इंकार कर दिया था, जिसके बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने श्री इलाही को शपथ दिलाई। पाक में सत्तारूढ़ गठबंधन ने पंजाब के मुख्यमंत्री के चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया है, जबकि विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इसकी सराहना की।

इस्लामाबाद में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

इस्मलामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री चुनाव में विधानसभा उपाध्यक्ष के फैसले को उलटने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद संघीय राजधानी इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। समाचार पत्र डॉन ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने और संवेदनशील, प्रमुख तथा सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था में दंगा नियंत्रण यूनिट और आतंकवाद निरोधक विभाग के साथ पुलिस को पूरी तरह से तैनात रहने के आदेश अधिकारियों ने दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक (एसपी) को दी गई है और न्यायाधीशों, जन एवं सरकारी अधिवक्ताओं के प्रवेश द्वार पर पुलिस कर्मियों के साथ छह टुकड़ियों को तैनात किया गया है। चार टुकड़ियों को एक्सप्रेस चौक, तीन को खयाबन-ए-सुहारवर्दी, दो-दो टुकड़ियों को नादरा मुख्यालय चौक, अघा खान रोड और एक-एक टुकड़ी को बारी इमाम टी-क्रॉस और मारगल्ला मार्ग पर लगाया गया है और पांच टुकड़ियों को सचिवालय पुलिस स्टेशन के निकट स्टैंडबाई पर रखा गया है।

प्रयागराज कानपुर खंड का जीएम ने किया निरीक्षण

प्रयागराज, (ब्यूरो)। महाप्रबंधक उमरे प्रमोद कुमार द्वारा गाड़ी संख्या 22435 वंदे भारत एक्सप्रेस से प्रयागराज-कानपुर खंड का फुट प्लेट निरीक्षण किया गया।

ज्ञात हो कि फुटप्लेट निरीक्षण में रेल अधिकारी ट्रेन के इंजन में लोको पायलट के साथ यात्रा करते हैं। बुधवार के निरीक्षण में महाप्रबंधक ने लोकोपायलट के संचालन और संरक्षा प्रक्रियाओं का सूक्ष्मतापूर्वक अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग के सिग्नल और अन्य परिचालनिक इंस्टालेशन का भी जायजा लिया। महाप्रबंधक ने लोको पायलटों से रेल परिचालन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं तथा उनके समाधान के बारे चर्चा कर जानकारी प्राप्त की।इसी क्रम में महाप्रबंधक ने कानपुर अनवरगंज स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं,परिचालन व्यवस्थाओं, कर्मचारी से जुड़े विभिन्न पहलुओं एवं ट्रैक मेंटेनेंस की विभिन्न यूनिट का गहनता पूर्वक अवलोकन किया।